संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 01 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 31 पृष्ठ: 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com
उत्तराखण्ड संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित किया। आदतन हुड़दंग करना जिनका स्वभाव बन गया है, उम्मीद है मौजूदा संसद के आखिरी सेशन में ऐसे सांसद आत्म निरीक्षण करेंगे।

63वीं जन्म जयंती

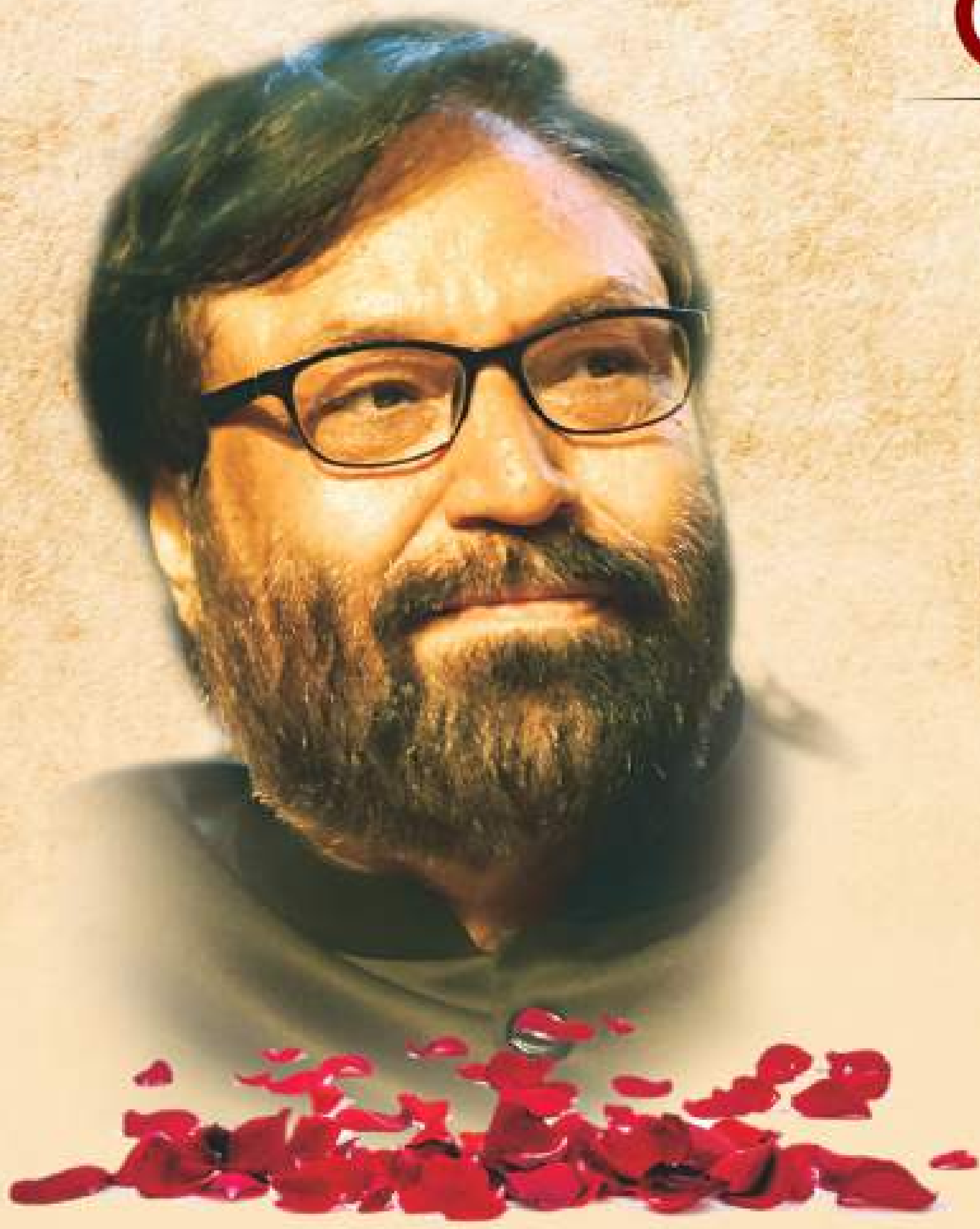

बाधाएं आती हैं आएँ, घिरें प्रलय की घोर घटाएँ, पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं, निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा। क़दम मिलाकर चलना होगा

एक्शन इंडिया मीडिया समूह, मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स,
द प्रिंटिंग हब (सीटीपी यूनिट) के संस्थापक

श्रद्धेय श्री राकेश भारद्वाज जी

की जन्म जयंती पर कोटि - कोटि नमन

1 फरवरी 1961 - 14 नवंबर 2020

हम सब हर घड़ी, हर पल, हर क्षण, हर दिन आपके गरिमामयी, ओजस्वी और महान व्यक्तित्व को महसूस करते हुए आपके जन्मदिवस पर शत्-शत् नमन करते हैं। बीते तीन सालों में कोई क्षण ऐसा नहीं रहा, जब आपके होने का अहसास नहीं हुआ हो। आपके द्वारा आलोकित पथ पर सदैव अग्रसर रहने का संकलप लेते हैं।

श्रद्धावनत

- गीता राकेश भारद्वाज
- रवि राकेश भारद्वाज
- दीपिका भारद्वाज
- अभिषेक शर्मा-रिचा शर्मा
- एश्वर्या भारद्वाज

- एक्शन इंडिया मीडिया समूह
- द राकेश भारद्वाज मैमोरियल ट्रस्ट
- मारुतिनंदन प्रिंटर्स
- जन जागरण मीडिया समूह

मुख्यमंत्री ने आई.टी.डी.ए का औचक निरीक्षण कर 1905 का लिया जायजा

अवलोकन

8 -इन्टीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर से यातायात व्यवस्थाओं का भी मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने बुधवार को आई.टी.डी.ए का औचक निरीक्षण करते हुए सीएम हेल्पलाइन 1905 और इन्टीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान इन्टीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर से यातायात व्यवस्थाओं का अवलोकन लिया।

मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन के कंट्रोल रूम से अल्मोड़ा जनपद के पच्योना गांव के निवासी लाल सिंह की समस्या सुनी। उन्होंने जिलाधिकारी अल्मोड़ा को निर्देश दिये कि शिकायत का शीघ्र संज्ञान लेते हुए समाधान किया जाए। लाल सिंह ने सीएम हेल्पलाइन 1905 पर शिकायत की थी कि खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना के उनका राशन कार्ड रद्द कर दिया गया है। इसके कारण क्षेत्रीय राशन डीलर उन्हें राशन नहीं दे रहा है। मुख्यमंत्री ने लाल सिंह से बात करते हुए कहा कि उनकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जायेगा। उन्होंने जिलाधिकारी अल्मोड़ा को निर्देश दिये हैं कि जिला पूर्ति अधिकारी अल्मोड़ा के स्तर पर लंबित इनकी समस्या का समाधान जल्द कराया जाए।
निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने आई.टी.डी.ए के इन्टीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर से यातायात व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। उन्होंने यातायात व्यवस्थाओं में लगे सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि यातायात की सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखी जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही भी की जाए सीएम हेल्पलाइन 1905 के कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कंट्रोल रूम में कार्य कर रहे कार्मिकों से कहा कि लोगों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित जो भी फोन कॉल आ रहे हैं। लोगों से शालीनता से बात कर उनकी समस्याएं सुने और जिस विभाग से संबंधित शिकायत है, यथा शीघ्र संबंधित विभागों को भेंजे।
मुख्यमंत्री हर माह स्वयं सीएम हेल्पलाइन 1905 की विस्तृत समीक्षा करते हैं। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान आई.टी.डी.ए की विभिन्न गतिविधियों का जायजा भी लिया।

चकराता के लोखंडी में हुई बर्फबारी का लोगों ने उठाया आनंद

पहली बर्फबारी

8 लोखंडी में जाड़े की पहली बर्फबारी हुई। लंबी समय बाद हुई इस बर्फबारी से पर्यटकों में काफी हर्ष है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आखिरकार मौसम उत्तराखंड पर मेहरबान हो गया। उन्होंने बर्फ के दर्शन करा दिए। पूरी जनवरी में वर्षा और बर्फबारी की प्रतीक्षा होती रही, लेकिन मौसम की बेरूखी के कारण बर्फबारी नहीं हो पाई।
बुधवार को चकराता के लोखंडी में जाड़े की पहली बर्फबारी हुई। लंबी समय बाद हुई इस बर्फबारी से पर्यटकों में काफी हर्ष है। जो पर्यटक चकराता पहुंचे हैं वह बर्फबारी का आनंद उठा रहे हैं।

इसी तरह स्थानीय लोग भी पहली बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों में हर्ष का वातावरण है।
बर्फबारी से फलों तथा फसलों दोनों को लाभ होगा। जिसका लाभ किसानों को मिलेगा लेकिन आवागमन और अन्य क्षेत्रों में समस्याएं हो सकती हैं फिर भी इस पहली बर्फबारी से प्रसन्नता का वातावरण है और लोग इस बर्फबारी का आनंद उठा रहे हैं।

उत्तराखंड में शीघ्र ही लागू होगी यूसीसी : धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड शीघ्र ही समान नागरिक संहिता कानून लागू करने वाला पहला प्रदेश बन जाएगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले सरकार राज्य में यूसीसी को लागू करने की तैयारी कर रही है।
मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि इसके लिए 3 फरवरी को कैबिनेट की बैठक भी बुला ली गई है। उन्होंने साफ कर दिया है कि 2 फरवरी को यूसीसी के लिए गठित कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपने वाली है। इसके बाद 3 फरवरी को कैबिनेट कि बैठक बुलाई गई है।

गंगोत्री धाम में आज सुबह से हुईं बर्फबारी, ठंड ने दी दस्तक

बर्फबारी

8 तीन हजार फीट से अधिक ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की खबरें सामने आ रही हैं।

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
मौसम विभाग की चेतावनी सही साबित हुई है और पहाड़ों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यहां बुधवार सुबह से काफी ठंड महसूस की जा रही है। तीन हजार फीट से अधिक ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की खबरें सामने आ रही हैं। मौसम विभाग देहरादून की ओर से चेतावनी जारी की गई थी कि मंगलवार (30 जनवरी) से

उत्तराखंड के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।
मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया था कि उत्तराखंड में तीन हजार फीट से अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। वहीं मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ सकती है।मौसम विभाग की चेतावनी भी सटीक साबित हुई है। और उत्तरकाशी के ऊंचाई क्षेत्रों में बर्फबारी देखने को मिली है। यहां गंगोत्री धाम में साल की पहली बर्फबारी देखने को मिली। जनवरी महीने के आखिरी दिन गंगोत्री धाम, भैरव घाटी, कनखू बेरियल, गंगोत्री नेशनल पार्क और उच्च हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी देखने को मिली है।
उत्तरकाशी के ऊंचाई वाले इलाकों में गिरेगी बर्फ-
बुधवार सुबह से ही गंगोत्री धाम में बर्फबारी हो रही है। मां गंगा मंदिर प्रांगण बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। यमुनोत्री धाम, हरकीदून अन्य इलाकों में भी बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। अभी एक दो दिन और मौसम बर्फबारी वाला रहने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, तीन हजार फीट से अधिक ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होगी इससे मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मैदानी इलाकों में कोहरा और ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग की ओर चेतावनी जारी की गई है।
गौरतलब है कि उत्तराखंड में इस साल मौसम लगातार सूखा रहा है। प्रदेश में ना बारिश हुई और ना ही बर्फबारी। इससे कई फसलें खराब हो चुकी हैं। सेब जेसी फसल तो उजड़ ही गई, लेकिन अब मौसम विभाग ने उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में यहां बारिश और बर्फबारी हो सकती है। उत्तरकाशी में बर्फबारी शुरू हो चुकी है। प्रदेश के अन्य पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

जल्द ही शूटिंग खिलाड़ियों को मिलेगा, शस्त्र लाइसेंस का अधिकार

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्य में शूटिंग के खिलाड़ियों को जल्द ही एक बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। इसके तहत शूटिंग खिलाड़ियों को शस्त्र लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध होगी। खेल मंत्री रेखा आर्या ने गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर गाइडलाइन जारी करने को कहा है।
खेल मंत्री रेखा आर्या ने उक्त विषय का संज्ञान लेते हुए सचिव गृह और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है।इस पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि अभी तक जो भी शूटिंग से सम्बंधित खिलाड़ी होते हैं, उन्हें अभ्यास के लिए शस्त्र लाइसेंस की अनुमति नही मिलती थी। ऐसे में अब उनके ओर से यह पत्र लिखा गया है। इससे जल्द ही शूटिंग के खिलाड़ियों को शस्त्र लाइसेंस प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि दरअसल शूटिंग स्पोर्ट्स से जुड़े खिलाड़ियों को शूटिंग के अभ्यास के लिए स्वयं के शस्त्र की आवश्यकता होती है, लेकिन शस्त्र लाइसेंस की प्रक्रिया बहुत लम्बी है। इस बाबत संबंधित को प्रायः कई बार राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की ओर से अवगत कराया गया है कि भारत सरकार खिलाड़ियों को उनके खेल से संबंधित राज्य सरकार द्वारा जारी किये जाने वाले शासनादेश में विशेष छूट का प्रावधान किये जाने के निदेशोपरान्त भी उक्त खेल से जुड़े खिलाड़ियों को शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने एवं शस्त्र खरीदने में अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निश्चित रूप से यह स्थिति शूटिंग के खिलाड़ियों के लिए उचित प्रतीत नहीं होती है, अपितु उनके अभ्यास में व्यवधान पड़ता है।ऐसे में भारत सरकार द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार शासनादेश में निहित प्रावधान एवं प्राप्त छूट के अनुरूप निश्चित समय सीमा के भीतर शस्त्र लाइसेन्स निर्गत किया जाना सुनिश्चित करते हुए तत्संबंधी गाइडलाईन जारी की जाय, जिससे उक्त खेल से जुड़े खिलाड़ियों को अनावश्यक परेशानी न हो। मंत्री ने कहा कि इन सभी कठिनाइयों को उनके स्तर से जल्द दूर किया जाएगा, जिसके लिए वह प्रयत्नशील हैं।

महाराज ने केंद्रीय वन मंत्री को पत्र लिखकर दिया सुझाव

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के सुगम यातायात हेतु वांछित मोटर मार्गों के निर्माण में वन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के बाधित रहने से हो रही समस्याओं को लेकर उसके निदान के लिए सुझाव दिये हैं ताकि प्रदेश में सड़कों के निर्माण में आने वाली बधाओं को दूर किया जा सके। मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर कहा है कि उत्तराखंड राज्य में लगभग 80 फीसद भाग पहाड़ी क्षेत्र एवं 20 फीसद भाग मैदानी क्षेत्र है। इसमें से 70 फीसद भू-भाग वन आच्छादित है, जिस कारण पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के सुगम यातायात हेतु वांछित मोटर मार्गों के निर्माण में अधिकांशतः वन भूमि की आवश्यकता पड़ती है।

टटेश्वर महादेव मन्दिर और धनसारी गांव में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के डिम्मर सिमली गांव स्थित टटेश्वर महादेव मंदिर और धनसारी गांव में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जिसमें मंदिर में की गई चोरी का शतप्रतिशत माल भी बरामद कर लिया गया है जबकि धनसारी गांव की चोरी का पूरा सामान बरामद नहीं हुआ है। चोरी का खुलासा करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने ढाई हजार रुपये ईनाम की घोषणा की है।
वर्चुअल पुलिस के अनुसार 24 जनवरी की रात्रि को टटेश्वर महादेव मंदिर में चोरी की सूचना ग्राम प्रधान राखी डिमरी की ओर से लिखित रूप में थाना कर्णप्रयाग में दर्ज की गई थी। एसपी चमोली की ओर से मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग के देखरेख में मामले की खुलासा करने के लिए टीम बनायी।
टीम ने खुलासा करने के लिए

खुलासा

8 चोरी का खुलासा करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक ने ढाई हजार रुपये ईनाम की घोषणा की है।

विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए आरोपित जगदीश सिंह रावत को डिम्मर मार्ग पर एक प्रतिक्षालय के समीप चोरी के माल समेत गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने इस चोरी के साथ ही मई माह में धनसारी पंचायत भवन से की गई चोरी की बात को भी कबूल किया है। आरोपित ने बताया कि वह नशे का आदी है और उसने अपने अन्य साथी के साथ धनसारी पंचायत भवन से सामान चुराया था जिसे आपस में बांट लिया और कुछ को बेच दिया है। पुलिस आरोपित के अन्य साथी की खोजबीन में जुटा हुआ है। आरोपित को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया है।

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने किया सम्मानित

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस विभाग में नैनीताल जिले से सेवानिवृत्त होने वाले चार पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने सम्मानित करते हुए धूमधाम से विदाई दी। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने सेवानिवृत्त हुए ट्रैफिक पुलिस के एसआई मोहन सिंह डोभाल, सिविल पुलिस के राजेन्द्र सिंह अधिकारी, उमेश चंद्र लोहनी, हेड कांस्टेबल गिरीश चंद्र टम्टा के कार्य की सराहना व प्रशंसा की। साथ ही उनके उज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। सभी को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ साथ प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने मजदूरों को बांटे कंबल

कम्बल वितरण

8 इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और हौसला भी बढ़ाया।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने बुधवार को सहस्त्रधारा रोड स्थित आईटी पार्क के समीप उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को कम्बल वितरण किये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और हौसला भी बढ़ाया।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भवन

एवं अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिये कि श्रमिकों की सहायता के लिए जो भी योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं, यह सुनिश्चित किया जाये कि प्रत्येक पात्र को सुविधाओं का लाभ समय पर मिले। विभिन्न योजनाओं के प्रति उनको जागरूक भी किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हमें समाज के हर वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर लाने के लिए निरन्तर प्रयास करने हैं।

एसओजी ने अवैध चरस के साथ एक को किया गिरफ्तार

मामला दर्ज

8 आरोपित के विरुद्ध थाना गैरसैंण में मामला दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया गया

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली पुलिस की एसओजी टीम ने जिले के गैरसैंण ब्लाक के कालीमाटी के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान एक अल्टो कार के चालक के पास से 606 ग्राम अवैध चरस बरामद की है, जिसका बाजार मूल्य 50 हजार रुपये आंका गया है।
गैरसैंण थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपित को बुधवार को न्यायालय

में पेश किया गया।
चमोली वर्चुअल पुलिस के अनुसार चमोली एसओजी टीम ने गोपनीय सूचना पर कर्णप्रयाग-गैरसैण मोटर मार्ग पर कालीमाटी के पास वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान टीम को आल्टो कार संख्या यूके 11ए 8523 के वाहन चालक निवासी परवाड़ी जोत सिंह के पास से 606 ग्राम अवैध चरस बरामद किया गया। आरोपित के विरुद्ध थाना गैरसैंण में मामला दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया गया।
पुलिस ने बताया आरोपित से पूछताछ में उसने बताया कि वह भरारीसैंण में परचून की दुकान चलाता है और विभिन्न गांवों के अलग-अलग स्थानों से चरस लाकर कॉलेज के छात्रों को ऊंचे दामों पर बेचता है। पुलिस ने बताया कि पकड़ी गई चरस की बाजार कीमत 50 हजार रुपये आंकी गई है।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अर्न्तगत निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अर्न्तगत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	माल का विवरण
01	मास्टर टेलीफोन, स्लेव टेलीफोन और 24 वोल्ट डीसी पावर की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण आरडीएसओ/एसपीएन/के अनुसार इलेक्ट्रोनिक एलसी गेट संचार प्रणाली की रखरखाव मुक्त बैटरी के साथ आपूर्ति इकाई TC/51/2011 (Rev.3.0) संशोधन संख्या 1 या नवीनतम (वोल्ट लॉगिंग सुविधा के साथ) के साथ। एक सेट में शामिल है: 01 नं. मास्टर, 03 नग स्लेव और 01 नग विद्युत आपूर्ति इकाई।
निविदा सं0	
97235851	

मात्रा	बयाना राशि रू.	अनुमानित मूल्य रू.	निविदा खुलने की तिथि
120 Set	198000/-	9900000/-	19-FEB-24

नोट :- पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को ई-टेण्डर में भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आई टी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास III डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं किया है) प्राप्त मान्य होगा। मैन्युल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

पत्र सं0:- 50-S/LP/2024 दिनांक 31.01.2024 331/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एसएमजेएन कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

काउंसलिंग

8 प्राध्यापक ने शिक्षा के साथ प्रशिक्षण को रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एसएमजेएन पीजी कॉलेज में आज आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ तथा कैरियर काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विज्ञान विषय में स्नातक उपरान्त मिलने वाले रोजगार के अवसरों की जानकारी

दी गयी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विज्ञान संकाय की शिक्षिका डॉ. पूर्णिमा सुन्दरियाल ने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि स्नातक के पश्चात स्नातकोत्तर के अतिरिक्त भी प्रयोगशाला सहायक, ड्रग्स इंस्पेक्टर, कैमिकल अनालिस्ट, फार्मासिस्ट जैसी अनेक प्रकार के रोजगारों को प्राप्त करने के लिए कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन विज्ञान में प्रशिक्षण की नितान्त आवश्यकता है। जन्तु विज्ञान के क्षेत्र में रोजगारपरक प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए डॉ. यादवेन्द्र ने बताया कि पारम्परिक जीव विज्ञान के अतिरिक्त अनेक प्रकार की विधायें जैसे जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान आदि भी स्नातक के पश्चात रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करने में सहायक साबित हो रही है।
वनस्पति विज्ञान की शिक्षिका आंकाक्षा पाण्डेय ने भी वनस्पति विज्ञान से जुड़े अनेक रोजगार के अवसरों के बारे में विद्यार्थियों को बताते हुए शिक्षण क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त करने के विषय के बारे में जानकारी दी।
पर्यावरण विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. विजय शर्मा ने शिक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण को रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया। डॉ. शर्मा ने वन्य जीव संस्थान, नीरी, वन अनुसंधान केन्द्र जैसे प्रशिक्षण एवं शोध संस्थानों में मिलने वाली रोजगारी सम्बन्धी अवसरों की जानकारी दी। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी एवं कालेज के प्राचार्य प्रो. सुनील बत्रा ने आन्तरिक गुणवत्ता आश्वसन प्रकोष्ठ तथा कैरियर काउंसिलिंग सैल को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हमें पूरी समझबूझ के साथ अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित करने और लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

चुनाव की तैयारियों को लेकर कसी कमर

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आगामी लोक सभा निर्वाचन के दृष्टिगत एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने पुलिस कार्यालय में जनपद के सभी राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के साथ गोष्ठी कर तैयारियों को लेकर चर्चा की। गोष्ठी के दौरान जिलाधिकारी कार्यालय से असलाह धारकों का मिलान कर तेजी के साथ असलाह जमा करने, आदतन आरोपितों के खिलाफ गुंडा, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही, हुड़दंगियों को मुचलके से पाबंद करने आदि के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। गोष्ठी में एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, एएसपी संचार विपिन कुमार, एएसपी क्राइम, ट्रैफिक पंकज गैरोला व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते है:-

ई-निविदा एनआईटी संख्या	17-विद्युत/नि./टीआरडी/जीपीएस/यू-एमबी/134-बी
कार्य का नाम व स्थान	अम्बाला मंडल के (i) नंगल डैम – तलवाड़ा सेक्शन में दौलतपुर चौक से तलवाड़ा के बीच नई लाइन (ii) चण्डीगढ़ – बद्दी सेक्शन के चंडीमंदिर स्टेशन पर बाई पास लाइन के सम्बन्ध में 25 के.वी.ए.सी. सिंगल फेज ओ.एच.ई. की डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग, कमीशनिंग व मोडिफिकेशन कार्य का प्रावधान, साथ में दोनों सेक्शन में जनरल पावर सप्लाई (जी पी एस) इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य का प्रावधान।
कार्य पूरा करने की अवधि	18 (अठारह) माह
कार्य की अनुमानित लागत	रुपए 11,87,22,544.15/- (टी.आर.डी.- रु. 10,05,60,436.77+ जीपीएस-रु 1,81,62,107.38)
बोली प्रतिभूति (आन लाईन) जमा करने के लिए	रुपए 7,43,600/-
ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	निविदा दिनांक 22.02.2024 समय 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, निविदा दिनांक 22.02.2024 समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 07.02.2024 से 22.02.2024 तक उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निर्देश और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

प्रपत्र सं0 17-विद्युत/नि./टी.आर.डी./जी.पी.एस/यू.एम.बी./134-बी
दिनांक 31.01.2024 327/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, गुरूवार, 01 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित किया। आदतन हुड़दंग करना जिनका स्वभाव बन गया है, उम्मीद है मौजूदा संसद के आखिरी सेशन में ऐसे सांसद आत्म निरीक्षण करेंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 15 अंकः 31 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com

उत्तराखण्ड संस्करण दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

संसद की नई परंपराः सेंगोल के साथ सदन में आईं राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली : संसद का बजट सत्र बुधवार से शुरू हो गया। इसके साथ ही संसद भवन में नई परंपरा भी शुरू की गई है। दरअसल, पहली बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजदंड 'सेंगोल' के साथ संसद भवन में प्रवेश किया। इस दौरान राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू छह घोड़ों की बग्गी में सवार होकर अपने अंगरक्षकों के साथ संसद भवन पहुंचीं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओमर बिरला ने संसद भवन के गज द्वार पर उनका स्वागत किया। इसके बाद पारंपरिक वेशभूषा पहने एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी राजीव शर्मा ने सेंगोल का नेतृत्व किया। उनके साथ सभी लोकसभा कक्ष की ओर बढ़े। सदन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य बैठे हुए थे। राष्ट्रपति ने जैसे ही सदन में प्रवेश किया, संगीतकारों के एक समूह ने 'हथरोई' की धुन बजाई। राष्ट्रपति ने 'भारत माता की जय', 'जय श्री राम', 'जय सिया राम' और 'जय जगन्नाथ' के नारों के बीच चैंबर में अपनी सीट ग्रहण की। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सेंगोल को उनकी मेज के सामने रखा गया था। इसे बाद में लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के बगल में स्थापित किया गया। इस दौरान ब्राजील, मिस्र, मालदीव और नेपाल के राजदूत और ब्रिटेन के उच्चायुक्त सहित 58 राजनयिक मौजूद थे। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की मौजूदगी इसलिए कम नजर आ रही है, क्योंकि लोकसभा कक्ष 888 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला है। इसलिए, सीटें खाली नजर आ रही हैं। राष्ट्रपति के 75 मिनट के अभिभाषण के दौरान सदस्यों ने लगातार तालियां बजाईं और मेजें थपथपाईं। सबसे जोरदार तालियां तब बजीं, जब राष्ट्रपति ने महिला आरक्षण विधेयक पारित होने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सदियों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला अब भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। इसके बाद लोकसभा कक्ष जय श्री राम और जय सिया राम के नारों से गूंज उठा। राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रसिद्ध उड़िया कवि उत्कलमणि गोपालबंधु दास की कविताओं का भी जिक्र किया। सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों ने नियमित अंतर पर उनकी सराहना की। जबकि, विपक्षी सदस्यों ने चुपचाप अभिभाषण सुना।

आदर्श विचार

"क्रोध हमारा शत्रु है और हमारे जीवन का अंत करने में समर्थ है।"
भगवान राम

मन की बात

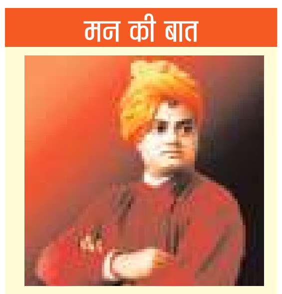

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए।"
`स्वामी विवेकानंद

तीसरी आंख

'राम मंदिर का सपना पूरा हुआ'

= सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ हुई

बजट सत्र

8 राष्ट्रपति ने आर्टिकल 370 तक का जिक्र किया। राम मंदिर की आकांक्षा सदियों से थी, जो इस साल पूरी हुई

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र बुधवार (31 जनवरी) को शुरू हुआ। सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ हुई। यह नए संसद भवन में उनका पहला संबोधन था। राष्ट्रपति ने राम मंदिर से लेकर आर्टिकल 370 तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा- राम मंदिर की आकांक्षा सदियों से थी, जो इस साल पूरी हुई। सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आदतन हुड़दंग करना जिनका स्वभाव बन गया है, उम्मीद है मौजूदा संसद के आखिरी सेशन में ऐसे सांसद आत्म निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के आखिर में कहा- राम राम। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक होगा। इसमें 8 बैठकें होंगी। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी। बजट सत्र से पहले राष्ट्रपति लोकसभा और राज्यसभा को एक साथ संबोधित करते हैं। दोनों सदनों में उनका संयुक्त संबोधन अभिभाषण कहलाता है।

बजट सत्र पश्चाताप का अवसरः सत्र से पहले पीएम ने कहा कि सांसदों को सोचना चाहिए कि आखिरी 10 साल में उन्होंने क्या किया। बजट सत्र पश्चाताप का अवसर है। मेरा सभी सांसदों से अनुरोध है कि उत्तम से उत्तम परफॉर्म करें और इस मौके को जाने न दें।

'सीमा के गांव को पहला गांव बनाया'

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेरी सरकार ने ऐसे क्षेत्र की भी पहली बार विकास से जोड़ा है जो दशकों तक दशकों तक उपेक्षित रहे हैं। हमारी सीमाओं से सटे गांव को अंतिम गांव कहा जाता था। मेरी सरकार ने उन्हें देश का पहला गांव बनाया है। इन गांव के विकास के लिए काफी काम किया है।

गरीबों को सस्ता राशन देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए खर्च किएः राष्ट्रपति ने बताया कि सरकार ने उज्वला योजना पर 2.5 लाख करोड़ रुपए और गरीबों को सस्ता राशन देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए खर्च किए।

'सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू किया'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार ने वन रैंक वन पेंशन को भी लागू किया, जिसका इंतजार चार दशकों से था। ओआरओपी लागू होने के बाद अब तक पूर्व सैनिकों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं। भारतीय सेना में पहली बार चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति भी हुई है।

25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाएः राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा– नीति आयोग के अनुसार, मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेरी सरकार, मेड इन इंडिया पर बल दे रही है।

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस-तृणमूल की बातचीत रूकी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/कोलकाता

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने कहा है कि 28 विपक्षी दलों के गठबंधन-इंडिया में शामिल तृणमूल कांग्रेस और सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत रोक दी गई है। तृणमूल कांग्रेस के इंडिया से बाहर निकलने की अटकलों पर कांग्रेस ने खारिज किया है। कांग्रेस का कहना है कि विपक्षी दलों के गठबंधन में तृणमूल अभी भी बनी हुई है। पार्टी ने गठबंधन से बाहर निकलने की पुष्टि नहीं की है। दोनों पक्ष पश्चिम बंगाल की लोकसभा सीटों को शेयर करने के फॉमूर्ले पर मंथन कर रहे हैं।

टकराव की शुरूआत, रास्ते अलग होने की कयासबाजीः बता दें कि कांग्रेस सूत्रों का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि लगभग हफ्ते भर पहले तृणमूल सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया था। हालांकि, ममता ने गठबंधन से बाहर निकलने के संबंध में कोई बयान नहीं दिया था।

ज्ञानवापीः व्यास तहखाने में 30 साल बाद मिली पूजा की इजाजत

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

ज्ञानवापी मामले में बुधवार को बड़ा फैसला आया है। वाराणसी जिला अदालत ने हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी परिसर में मौजूद व्यास तहखाने में पूजा करने की इजाजत दे दी है। अब व्यास परिवार तहखाने में पूजा पाठ करेगा। सोमनाथ व्यास का परिवार 1993 तक तहखाने में पूजा पाठ करता था। ज्ञानवापी परिसर में मौजूद व्यासजी तहखाना में पूजा की मांग को लेकर वर्षों से अदालती लड़ाई चल रही है। ताजा फैसले में बताया गया कि वादी हिंदू पक्ष ने बताया कि मंदिर भवन के दक्षिण दिशा में स्थित तहखाने में मूर्ति की पूजा होती थी। दिसम्बर 1993 के बाद पुजारी व्यासजी को इस प्रांगण के बेरिकेट वाले क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया गया। इस कारण तहखाने में होने वाले राग-भोग आदि संस्कार भी रुक गये। हिंदू पक्ष ने दलील दी कि इस बात के पर्याप्त आधार है कि वंशानुगत आधार पर पुजारी व्यासजी ब्रिटिश शासन काल में भी वहां कब्जे में थे। व्यासजी ने दिसम्बर 1993 तक वहां भवन में पूजा अर्चना की है। बाद में तहखाने का दरवाजा हटा दिया गया। हिन्दू धर्म की पूजा से सम्बन्धित सामग्री बहुत सी प्राचीन मूर्तियां और धार्मिक महत्व की अन्य सामग्री उस तहखाने में मौजूद हैं। हिंदू पक्ष ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने बगैर किसी विधिक अधिकार के तहखाने के भीतर पूजा दिसम्बर 1993 से रोक दी। हिंदू पक्ष ने अदालत से अनुरोध किया कि वह रिसीवर को नियुक्त करे जो तहखाने में पुजारी द्वारा पूजा किया जाना नियंत्रित करे और उसका प्रबंध करे। न्यायालय में 17 जनवरी 2024 को पारित एक आदेश में रिसीवर की नियुक्ति तो कर दी लेकिन तहखाने में पूजा-अर्चना के संबंध में कोई आदेश पारित नहीं किया। हिंदू पक्ष ने अपनी दलील में कहा था कि तहखाने में मौजूद मूर्तियों की पूजा नियमित रूप से की जानी आवश्यक है। बुधवार को जिला जज की कोर्ट ने अपने एक आदेश में व्यासजी के तहखाने में पूजा की अनुमति दे दी।

तहखाने में पूजा करने की अनुमति मिल गई

ज्ञानवापी स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा किए संबंधी आवेदन पर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दोनों पक्ष की तरफ से मंगलवार को बहस पूरी कर ली गई थी। अदालत ने इस प्रकरण में बुधवार को अपना आदेश सुनाया। तहखाने में पूजा करने की अनुमति मिल गई है। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी कहते ने कहा व्यासजी के तहखाने में पूजा करने का अधिकार दिया गया है और कोर्ट ने एक सप्ताह के भीतर आदेश का अनुपालन करने का आदेश जिला अधिकारी को दिया है। वादी अधिवक्ताओं ने कहा है कि व्यासजी के तहखाने को डीएम की सुपुर्दगी में दिया गया है।

'32 हफ्ते का गर्भ खत्म नहीं कर सकती महिला'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को एक महिला को 32 हफ्ते से ज्यादा समय के गर्भ को गिराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि मेडिकल बोर्ड ने भी इस बात को माना है कि इसे अब खत्म नहीं किया जा सकता है। छब्बीस वर्षीय महिला के पति की पिछले साल अक्तूबर में मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने मामले पर सुनवाई की। पीठ ने

दिल्ली उच्च न्यायालय के 23 जनवरी के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने अपने चार जनवरी के फैसले को वापस ले लिया था, जिसमें महिला को अपने 29 माह पुराने गर्भ को गिराने की अनुमति दी गई थी।

मणिशंकर अय्यर को घर खाली करने का नोटिस

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कांग्रेस के दिग्गज नेता मणिशंकर अय्यर और उनकी बेटी सुरन्या अय्यर को दिल्ली के जंगपुरा स्थित अपना घर खाली करने का नोटिस मिला है। जो रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्लूए) ने भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह की निंदा करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट के लिए या तो सार्वजनिक माफी मांगे या घर खाली करें। नोटिस में लिखा गया है कि आपको ऐसे अपशब्दों का

उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे शांति भंग हो सकती है और अन्य निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है। आप सोचते हैं कि आपने अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा के विरोध में क्या गलत किया है, तो हम आपको सुझाव देंगे कि कृपया किसी अन्य कॉलोनी में चले जाएं, जहां लोग इस तरह की नफरत पर अपनी आंखे बंद कर सकते हैं। सुरन्या अय्यर ने 20 जनवरी को फेसबुक पोस्ट किया था।

मांग

8 राम मंदिर अभिषेक समारोह की निंदा करने वाली मीडिया पोस्ट के लिए या तो सार्वजनिक माफी मांगे या घर खाली करें

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान टला बड़ा हादसा

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता

बंगाल में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की कार का शीशा टूट गया। बुधवार को कटिहार में राहुल ने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान अचानक ही भगदड़ मच गई, जिससे राहुल गांधी की कार का शीशा टूट गया। इस हादसे में कांग्रेस नेता बाल-बाल बच गए। हालांकि, इस हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों ने राहुल गांधी की गाड़ी पर पथराव होने का दावा

किया था। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, 'शायद भीड़ में किसी ने पीछे से पत्थरबाजी की। पुलिस बल इसकी जांच कर रही है। नजरअंदाज करने से बहुत कुछ हो सकता है। यह एक छोटी घटना है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव परिणामः सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप-कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

चंडीगढ़ मेयर चुनाव परिणाम के बाद से शुरू हुआ हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पंजाब के सीएम भगवंत मान ने बुधवार को एलान किया है कि इस मामले में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव लोकतंत्र की हत्या का उदाहरण है। सीएम भगवंत मान ने कहा कि कल बजट आ रहा है। देखते हैं पंजाब को क्या मिलता है? चंडीगढ़ मेयर चुनाव परिणाम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

यूथ कांग्रेस ने किया प्रदर्शनः बुधवार को यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने चंडीगढ़ मेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच गहमागहमी भी हुई। यूथ कांग्रेस कार्यकताओं ने 'भ्रष्टाचार बंद करो' के नारे भी लगाए। कुछ देर बाद ही पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। उधर, आज यानी बुधवार को ही मेयर चुनाव में धांधली से जुड़ी याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस पर हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 26 फरवरी को होगी।

चुनौती

8 हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया

उत्तर प्रदेश के बजट सत्र में गूंजेगा राम का नाम

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

विधानमंडल के बजट सत्र के लिए सर्वदलीय बैठक अब एक फरवरी को दोपहर 12.30 बजे होगी। पहली फरवरी को ही सर्वदलीय बैठक से पहले सुबह 11.30 बजे विधान सभा की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी। पहले यह दोनों बैठकें 31 जनवरी को प्रस्तावित थीं। विधानमंडल का बजट सत्र दो फरवरी से शुरू होगा। सरकार पांच फरवरी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश का बजट पेश करेगी इसके दृष्टिगत सर्वदलीय बैठक

और विधान सभा की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक 31 जनवरी को प्रस्तावित थी। अयोध्या में उमड़े श्रद्धालुओं के जनसमुद्र को देखते हुए राज्य सरकार के मंत्रियों का पहली फरवरी को अयोध्या में दर्शन करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

क्रेडिट सेमिनार मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के राज्य क्रेडिट सेमिनार का शुभारंभ किया

'प्राथमिकता क्षेत्र के लिए 34490 करोड़ रुपये की ऋण संभाव्यता योजना तैयार'

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयोजित राज्य क्रेडिट सेमिनार का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बैंक ने राज्य में उपलब्ध संसाधनों और बैंकिंग ढांचे के आधार पर वर्ष 2024-25 के लिए कृषि और संबद्ध गतिविधियों, एमएसएमई और अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के लिए 34490 करोड़ रुपये की ऋण संभाव्यता योजना तैयार की है जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक

है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नाबार्ड स्टेट फोकस पेपर-2024-25 भी जारी किया।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने लोगों के सामजिक-आर्थिक उत्थान के लिए मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना, बागवानी के एकीकृत विकास के लिए मिशन, मुख्यमंत्री लघु दुकानदार कल्याण योजना, मुख्यमंत्री ग्रीन कवर मिशन, मुख्यमंत्री रोजगार संकल्प सेवा, मुख्यमंत्री विद्यार्थी योजना व स्टार्टअप इत्यादि अनेक कल्याण योजनाएं आरम्भ की हैं। उन्होंने बैंको से आग्रह किया कि इन योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के लिए ऋ ण देने में अपना सक्रिय सहयोग दें ताकि किसान, बागवान तथा युवा इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र ऋ ण प्रवाह पर जारी किए गए निदेर्शों के अन्तर्गत प्रदेश का कोई भी जिला क्रेडिट की कमी जिलों की श्रेणी में नहीं आता है। उन्होंने कहा कि यद्यपि इन जिलों में ऋ ण प्रवाह सामान्य है परन्तु प्रदेश का ऋण व जमा अनुपात 36:39 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, ऊना, लाहौल-स्पीति व चम्बा में ऋ ण व जमा अनुपात लगातार 40 प्रतिशत से कम है जोकि चिंता का विषय है।

नाबार्ड

8 मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नाबार्ड स्टेट फोकस पेपर-2024-25 भी जारी किया

संसद भवन के गेटों पर एयरपोर्ट जैसी सुरक्षा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

गत वर्ष 13 दिसंबर को हुए सुरक्षा चूक मामले में केंद्र सरकार ने संसद भवन परिसर में कई तरह के सिक्योरिटी बदलाव कर दिए हैं। अब मुख्य गेटों पर जांच पड़ताल के लिए दिल्ली पुलिस नहीं है। यह जिम्मेदारी, सीआईएसएफ को सौंपी गई है। सीआईएसएफ द्वारा संसद भवन में चेकिंग का तकरीबन वही तरीका अपनाया है, जो अमूमन एयरपोर्ट पर देखने को मिलता है। अब संसद भवन परिसर में प्रवेश करने से लेकर किसी भी सदन में पहुंचने तक कई जगहों पर प्रवेश पत्र दिखाना होगा। प्रवेश पत्र (स्मार्ट कार्ड) दिखाने के बाद बायोमैट्रिक पुष्टि होगी। उसके बाद ही किसी व्यक्ति को प्रवेश मिलेगा।

सीआईएसएफ के अलावा संसद भवन परिसर में सादे कपड़ों वाली टीम (खुफिया ब्यूरो) की मौजूदगी को बढ़ा दिया गया है। संसद भवन की ओवरऑल सुरक्षा का जिम्मा पहले की भांति सीआरपीएफ के 'पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप' (पीडीजी) के पास है। बता दें कि गत वर्ष 13 दिसंबर को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा की विजिटर गैलरी से एकाएक दो युवक कूद गए थे। उनमें से एक युवक ने अपने जूते से एक स्प्रे कैप्सूल निकाल कर सदन में धुआं फैला दिया। इससे सदन में अफरा-तफरी मच गई।

सुरक्षाकर्मियों ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। उनके दूसरे साथी संसद भवन परिसर के बाहर भी खड़े थे।

सख्ती

8 अब संसद भवन परिसर में प्रवेश करने से लेकर किसी भी सदन में पहुंचने तक कई जगहों पर प्रवेश पत्र दिखाना होगा

संपादकीय

दिल्ली की 'सुनहरी' पर बवाल क्यों?

भारत में विकास के कार्यों में कानूनी पेचीदगियां, धार्मिक एवं राजनीतिक हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं है। वैसे भी विपक्ष और कुछ वर्ग विशेष के नुमाइंदों ने सरकार के प्रत्येक विकास के कार्य को सांप्रदायिक और सियासी मुद्दा बनाने की कुत्सित मानसिकता बना ली है। हाल ही में हमने नये संसद भवन के उद्घाटन, पवित्र सेंगोल और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा जैसे प्रकरणों में कई कुतर्कों और दुर्भावनाओं के विष वमन को झेला है। यही संकीर्ण मानसिक प्रवृत्ति अन्य छोटे-बड़े विकास कार्यों को भी सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश करती रहती है।

दिल्ली में एक सुनहरी मस्जिद है। यह लुटियन जोन में सड़क के बीचों-बीच गोल चक्कर में स्थित है। कभी इस गोल चक्कर को हकीम जी का बाग भी कहा जाता था। इस छोटे से बाग में सुनहरी मस्जिद खड़ी है। इसके चारों तरफ दिन-रात ट्रैफिक चलता है। नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सुनहरी मस्जिद को हटाना चाहती है। एनडीएमसी के चीफ आर्किटेक्ट ने हाल ही में दिए एक विज्ञापन में जनता से इस मस्जिद को हटाने के संबंध में अपने सुझाव और आपत्तियां मांगी थी। जैसे ही ये विज्ञापन आया मानो कोई भूचाल आ गया हो। राजनेताओं से लेकर मौलानाओं ने इस मस्जिद को हटाने का विरोध किया। इसके विरोध में दिल्ली उच्च न्यायालय में दो याचिका भी दायर हुईं। एक याचिका में तो इसे दिल्ली वक्फ बोर्ड की जमीन पर बने होने का दावा भी किया है, जबकि एनडीएमसी ने हलफनामा देकर कहा है कि ये एनडीएमसी की जमीन है। सोशल मीडिया पर भी इसका हर तरह से विरोध किया जा रहा है। हैरत की बात है कि हर कोई जानता है कि इस मस्जिद की वजह से अकसर वहां ट्रैफिक की समस्या बनी रहती है और जुमे के दिन यहां नमाजियों की अच्छी खासी भीड़ रहती है। लेकिन इसे एक सांप्रदायिक मुद्दा बनाया जा रहा है और यह आरोप लगाया जा रहा है कि ये सब किसी एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए किया जा रहा है। जबकि सच तो यह है की पिछले पांच साल में इसी वर्तमान सरकार ने विकास कार्यों के लिए अनगिनत मंदिरों को तोड़ कर सड़कें चौड़ी करवाईं और निर्माण कार्य करवाए जिससे ट्रैफिक की समस्या में लाभ भी हुआ। लेकिन ये सब न इतनी प्रमुखता से मीडिया में आता और न ही यह सब कभी विस्तृत चर्चा का विषय बनता है । शायद मंदिरों को तोड़ कर ट्रैफिक की समस्या का हल निकालने को सकारात्मक रूप से देखा जाता है और जबकि यह बात दूसरी ओर लागू नहीं होती। इस मस्जिद को दिल्ली सरकार की 2009 की अधिसूचना के अनुसार ग्रेड-क्क्क विरासत भवन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। आपको यह जान कर अचरज होगा की 2009 की अधिसूचना के तहत, विरासत संरक्षण समिति की सलाह पर नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने 141 विरासत स्थलों को शामिल किया था। अचरज वाली बात यह है कि 141 स्थलों में से 51 मस्जिदें और मकबरे हैं और केवल दो मंदिर हैं, जिन्हें विरासत स्थलों में शामिल किया है। अगर आप दिल्ली एकीकृत भवन निर्माण उपविधि 2016, के अनुलग्नक - '' में क्लॉज 1.5 को पढ़ें तो साफ समझ आता है की इन स्थलों को विरासत स्थलों की सूची में सुझाव देने से लेकर स्थान देने तक का जिम्मा सरकार का है।

खड़गे के बयान से झलकती कांग्रेस की हताशा

आशीष वशिष्ठ

> कांग्रेस के अलावा कई अन्य दल भी मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप जड़ते हैं। लेकिन उनके पास एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जिससे वो साबित कर सकें कि मोदी सरकार ने कौन सा ऐसाकाम किया है, जो तानाशाही की श्रेणी में आता है। या जिससे लोकतंत्र का गला घुटा हो। मोदी सरकार के हर निर्णय पर विपक्ष को ऐसा लगता है कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है, या फिर लोकतंत्र खतरे में है। वास्तव में उन्हें विरोध के लिए विरोध करना है। उनके हाथ में न कोई मुद्दा है और न ही जनसमर्थन और जनविश्वास उनके साथ है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि सामान्य आंतरिक आलोचना विरोध भले ही हो, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान जैसे सम्पन्न शक्तिशाली देश भारत के लोकतंत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका मान रहे हैं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बीती 29 जनवरी को भुवनेश्वर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 2024 लोकसभा चुनाव लोकतंत्र को बचाने का आखिरी मौका होगा। अगर इस चुनाव में भाजपा जीती तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश में दोबारा चुनाव नहीं होने देंगे। वे एक तानाशाह की तरह इस पर रोक लगाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से देश की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी की हताशा, निराशा और पराजय स्पष्ट झलकती है।

कांग्रेस अध्यक्ष जब यह कहते हैं कि मोदी दोबारा सत्ता में आए तो कोई चुनाव नहीं होगा। आपके पास मतदान का आखिरी मौका है। ऐसा बयान देते समय शायद खड़गे अपनी ही पार्टी का चरित्र, आचरण, कृत्य और इतिहास भूल जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में लगभग छह दशक कांग्रेस ने देश की सत्ता को संभाला। इस कालावधि में उसने लोकतंत्र को कमजोर और कलंकित करने के एक नहीं कई काम किये। कांग्रेस सरकार की तानाशाही रवैये और व्यवहार के किस्सों की भी कोई कमी नहीं है। कांग्रेस ने 25 जून, 1975 को देश को इमरजेंसी के दलदल में धकेल दिया। इस दौरान कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। रातों रात लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए। कांग्रेस ने न सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं बल्कि सच के साथ खड़े पत्रकारों का भी दमन किया। विरोध की आवाज को दबाने के लिए पूरे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया। बड़े मीडिया संस्थानों तक के संपादकों को गिरफ्तार किया जा रहा था, उन पर पाबंदियां लगाई जा रही थीं। अलोकतांत्रिक रूप से बाबा साहब के संविधान में संशोधन किया गया। कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं को भी कमजोर किया। खड़गे को याद करना चाहिए कि, मीसा कानून कौन लेकर आया था? मीसा में आपातकाल के दौरान कई संशोधन किए गए और इंदिरा गांधी की निरंकुश सरकार ने इसके जरिए अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने का काम किया। इंदिरा सरकार की अमानवीयता का आलम यह था कि दिल्ली और पश्चिमी यूपी के इलाकों में नसबंदी से इनकार करने वाले लोगों पर अत्याचार किया गया। पुलिस की गोलीबारी में कई लोग मारे गए। महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने की बातें करने वाली कांग्रेस को उनके विचारों से भी डर लगने लगा था। उस समय इंदिरा गांधी ने किशोर कुमार के गानों को बैन कर दिया था। आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस के काले

कारनामों के बारे में जानकर हर कोई सन्न रह जाता है। केंद्र में विपक्ष में बैठी कांग्रेस लोकतंत्र की दुहाई देती है। लेकिन उसके शासित राज्यों में जिस तरह विपक्ष और मीडिया का दमन किया जाता है, उससे कहा जाता है कि समय बदल गया है, लेकिन कांग्रेस की आपातकालीन मानसिकता नहीं बदली है, वो आज भी जारी है। लोकतंत्र की दुहाई देने वाले कांग्रेस के नेता शायद भूल गए कि राजीव गांधी के जमाने में एक अखबार ने कुछ खिलाफ लिखा, तो उनके विरूद्ध ही मामला दर्ज कर दिया गया और संस्?थान की बिजली तक काट दी गई थी। टेलीग्राफ एक्ट कौन लेकर आया था...? राजीव गांधी के जमाने में ही टेलीग्राफ एक्?ट आया था, जिसके तहत सरकार आम लोगों के पत्र पढ़ सकती थी और कार्रवाई कर सकती थी। पीवी नरसिंहाराव ने पैसे देकर सरकार बनाई, कोर्ट में साबित हो गया था। लोकसभा का कार्यकाल इंदिरा गांधी ने बढ़ाया था। जब कांग्रेस नेता ह्यइंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इस इंडियाह्न का नारा लगाते थे तो क्या उन्हें इस नारे में तानाशाही की बू नहीं आती थी? अनुच्छेद 356 का कांग्रेस ने किस तरीके से उपयोग किया है, ये काफी दिलचस्प है। कांग्रेस ने अपने शासन काल के दौरान अनुच्छेद 356 का प्रयोग करते हुए 91 बार गैर कांग्रेसी सरकारों को हटाने का काम किया। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने एक बार भी अनुच्छेद 356 का प्रयोग नहीं किया। अटल जी के नेतृत्व में राजग सरकार के 6 साल के कार्यकाल में राष्ट्रपति शासन 4 बार लगने की नौबत आई थी। बीते पांच छह सालों में कांग्रेस शासित राज्यों में तानाशाही की वारदातें और करतूतें देशवासियों को याद हैं। राहुल गांधी की आलोचना करने पर कॉलेज के प्रोफेसर को बर्खास्त किया गया। राजीव गांधी के बारे में लिखने पर युवा बीजेपी नेता तेजिंदर सिंह बग्गा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। राहुल गांधी ने न्यायपालिका और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। सोनिया गांधी का बचपन का नाम लेने पर पत्रकार अर्णब गोस्वामी को गिरफ्तार कर उत्पीड़न किया गया। राहुल गांधी ने वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया। सोनिया और राहुल गांधी पर विज्ञापन देने वाली कांपनी के दफ्तर में कांग्रेस कार्यकताओं ने तोड़फोड़ की। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली कांग्रेस अपने इन कर्मों को किस श्रेणी में रखेगी? इंडिया गठबंधन जिसमें कांग्रेस प्रमुख घटक दल है, ने 2023 में एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए उन 14 टीवी एंकरों की एक सूची जारी की है, जिनके प्रोग्राम में उनका प्रतिनिधि नहीं जाएगा। ये जगजाहिर है कि टीवी एंकरों का बहिष्कार करने के पीछे पूरी रणनीति कांग्रेस की थी। गैर भाजपा षासित राज्यों में विपक्ष के राजनीतिक दलों के नेताओं-कार्यकताओं, पत्रकारों और आम जनता के साथ सरकारी तंत्र जिस तानाषाही रवैये से पेष आ रहा है, वो किसी से छिपा नहीं है।

कांग्रेस के अलावा कई अन्य दल भी मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप जड़ते हैं। लेकिन उनके पास एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जिससे वो साबित कर सकें कि मोदी सरकार ने कौन सा ऐसाकाम किया है, जो तानाशाही की श्रेणी में आता है। या जिससे लोकतंत्र का गला घुटा हो। मोदी सरकार के हर निर्णय पर विपक्ष को ऐसा लगता है कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है, या फिर लोकतंत्र खतरे में है। वास्तव में उन्हें विरोध के लिए विरोध करना है। उनके हाथ में न कोई मुद्दा है और न ही जनसमर्थन और जनविश्वास उनके साथ है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि सामान्य आंतरिक आलोचना विरोध भले ही हो, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान जैसे सम्पन्न शक्तिशाली देश भारत के लोकतंत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर अंतर्राष्ट्रीय शांति तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका मान रहे हैं। चीन तक ने भारत की आर्थिक शक्ति को स्वीकारा है। इसका एक बड़ा कारण भारत में सरकार का स्थायित्व और बढ़ती जागरुकता, सामाजिक, आर्थिक, सामरिक ताकत है। राजनीतिक विरोध का स्तर इतना गिर चुका है कि संविधान की शपथ लिए हुए कुछ नेता सड़क पर धरना-आंदोलन और संसद द्वारा पारित कानून के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के जरिये जनमत संग्रह तक की शर्मनाक मांग करने लगे हैं? दुनिया के किस देश में राज्यों में बैठे सत्ताधारी क्या इस हद तक अपनी ही राष्ट्रीय सरकार और नीतियों का विरोध करते हैं? कभी अपनी सेना को पेंशन के लिए भड़काते हैं, तो कभी सीमा पर उनकी क्षमता पर संदेह कर चीन के भारतीय सीमा में घुसी होने के आरोप लगाते हैं। भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। आम भारतीय की लोकतंत्र के प्रति गहरी आस्था और विश्वास है। ऐसे में किसी नेता या राजनीतिक दल का यह सोचना कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है,विशुद्ध तौर पर राजनीतिक बयान लगता है। अगर भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करना तानाशाही है; अगर, देश को संविधान के मुताबिक चलाना तानाशाही है; अगर संवैधानिक संस्थाओं और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की मान मयार्दा कायम रखना तानाशाही है; अगर देश को सुधार के रास्ते पर लेकर जाना तानाशाही है; अगर भ्रष्टाचार पर नकेल कसना तानाशाही है; अगर देश की उन्नति के बारे में सोचना तानाशाही है; अगर देश के प्रति वफादारी निभाना और राष्ट्र प्रेम का प्रदर्शन तानाशाही है; अगर गरीबों, वंचितों और शोषितों का कल्याण तानाशाही है; अगर तुष्टिकरण की बजाय सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास तानाशाही है तो मुझे ही नहीं हर सच्चे देशवासी को ये तानाशाही स्वीकार है। कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं को यह समझना चाहिए कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए उन्माद नहीं सही मुद्दों और समाज को जागरूक एवं शिक्षित करने की जरुरत होती है।

कविता

सूरज सी चमकी कविता

मेरा दिल है चाक कबीरा।
उनके लिए मजाक कबीरा।

महफिल में मैंने सच बोला
वो सब हुए अवाक कबीरा।

कहने को वो बहुत हैं भारी
वैसे वजन छटांक कबीरा।

बज्म में इज्जत मिले बस
नहीं चाहिए धाक कबीरा।

चादर तान जब सोते हैं वे
चांद को रहा ताक कबीरा।

सूरज सी है चमकी कविता
भले हो गया खाक कबीरा।

अरुण कुमार

विदेश नीति में वसुधैव कुटुंबकम

संजीव

विगत 3 वर्षों से ज्यादा समय से कोविड की महामारी के कारण पूरा विश्व अशांत एवं तनावग्रस्त रहा है। इसके तुरंत बाद तालिबान-अफगानिस्तान युद्ध में विश्व युद्ध की आशंका मंडराने लगी थी, इससे पूरा विश्व चिंता तथा तनाव के मध्य जीने लगा था' इसी क्रम में रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक युद्ध की आशंका को और बलवती बना दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन लगभग तबाही के कगार पर बैठा है और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु बमों का इस्तेमाल करने की घोषणा ने आग में घी का काम कर दिया है। इसराइल हमास फिलिस्तीन युद्ध जहां 26000 निर्दोष लोग मारे गए हैं और लगभग 70 हजार लोग घायल होने के बावजूद इसराइल हमास पर लगातार आक्रमण कर रहा है परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध की विभीषिका मंडराने लगी हैं। विश्व के अनेक राष्ट्र जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, साउथ अफ्रीका और अन्य यूरोपीय देश भारत और रूस के कई वर्षों के निरंतर घनिष्ठ संबंधों के आधार पर भारत और भारत के प्रधानमंत्री से यह आशा लगाए बैठे हैं कि वह रूस और यूक्रेन युद्ध पर मध्यस्थता कर युद्ध में विराम लाने का प्रयास करेंगे।

विगत दिनों समरकंद में अंतरराष्ट्रीय बैठक में मोदी ने एक-एक कर के वैश्विक नेताओं से मुलाकात कर पुतिन तथा जेलेंस्की से युद्ध विराम की अपील भी की है। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता एवं वैश्विक शांति तथा वसुधैव कुटुंबकम जैसा भारतीय दर्शन अत्यंत समीचीन एवं प्रासंगिक हो गया है। वर्तमान वैश्विक त्रासदी एवं वैश्विक अशांति के दौर में एक दूसरे की सहायता करना एवं एक दूसरे के मंतव्य, संवेदना को समझने की बड़ी आवश्यकता है। रूस और यूक्रेन के युद्ध का रुकना अब शांति बहाली के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश ने लगभग 40 देशों को कोविड-19 के महामारी के दौरान कई तरह से मदद भी की है। हालांकि भारत में महामारी के दौरान यूरोपीय देशों तथा अन्य देशों ने भी अपना परिवार मानकर खुले दिल से संक्रमण से लड़ने के लिए आर्थिक एवं चिकित्सकीय सहायता प्रदान की थी। भारत की विदेश नीति में वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की नीति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य की गई है। इसमें दो मत नहीं कि अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की वन टू वन बैठक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ट्रस्टीशिप की नीति एवं भावना की दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने बड़ी सराहना की,और उस पर विश्व को अमल करने की बात भी कही। भारत की विश्व के कई देशों को की गई सहायता भारत की नीति वसुधैव कुटुंबकम को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करती है। भारत के प्रधानमंत्री ने सदैव अपनी अभिव्यक्ति में भी यह स्पष्ट रूप से जताया है कि भारत पूरे विश्व को अपना परिवार मानता है एवं इसकी शांति तथा सुरक्षा की चिंता करते हुए अपनी विदेश नीति बनाता है।

विचार

है आपकी अदाओं से गिरगिट भी शर्मसार

निर्मल रानी

नितीश कुमार बिहार की राजनीति के लिये कितना ही प्रासंगिक क्यों न रहे हों परन्तु उनके राजनैतिक जीवन का हासिल यही है कि उन्हें मीडिया ने 'पलटी मार' या 'पल्टूराम' का खिताब दे डाला है। नौ बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नितीश कुमार अलग अलग अवसरों पर कभी यू पी ए समर्थित मुख्यमंत्री बने तो कभी भाजपा व एन डी ए समर्थित तो कभी कांग्रेस आर जे डी के साथ महागठबंधन बनाकर। दुर्भाग्यवश डॉ राजेंद्र प्रसाद,जय प्रकाश नारायण व कपूरी ठाकुर की कर्मभूमि वाले इसी राज्य में सत्ता से चिपके रहने में महारत रखने वाले नेता राम विलास पासवान को भी राजनीति का 'मौसम वैज्ञानिक' कहा जाता था। कहने को तो यह नेता स्वयं को धर्मनिरपेक्ष राजनीति का पैरोकार बताते हैं परन्तु महज सत्ता की मलाई खाने के लिये इन नेताओं ने साम्प्रदायिक शक्तियों से हाथ मिलाने में कभी परहेज नहीं किया। आज देश में दक्षिणपंथियों का जो विस्तार देखने को मिल रहा है उसमें देश के ऐसे तमाम 'गिरगिटों ' की भी अहम भूमिका है जिन्होंने सिर्फ और सिर्फ सत्ता की खातिर बार बार अपने जमीर का सौदा किया। परन्तु पिछले दिनों जिन परिस्थितियों में और जिस समय नितीश कुमार ने आर जे डी-कांग्रेस का साथ छोड़ एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर मुख्यमंत्री पद की शपथ नौवीं बार ली है, उनके इस अप्रत्याशित कदम ने उन्हें पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। आश्चर्य की बात तो यह है कि कहाँ तो नितीश कुमार के ही प्रथम प्रयास से कठ.ऊकअ गठबंधन वजूद में आया। नितीश की पहल पर ही 23 जून 2023 को 18 विपक्षी दलों की सबसे पहली बैठक पटना में ही हुई थी। यहाँ तक कि उन्हें कठ.ऊकअ गठबंधन का संयोजक तक बनाने की चर्चा चली परन्तु अचानक ऐसा क्या हुआ कि उन्हें 'राजनैतिक व वैचारिक धर्म परिवर्तन ' के लिये मजबूर होना पड़ा ? कहां तो अगस्त 2022 में एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश कुमार यह कहते फिर रहे थे -कि वे मर जाना पसंद करेंगे लेकिन भाजपा के साथ लौटना पसंद नहीं करेंगे। उन्होंने एनडीए से अलग होते समय भाजपा पर जेडीयू को कमजोर करने का आरोप भी लगाया था। उधर भाजपा की तरफ से भी गृह मंत्री अमित शाह का उसी समय बयान आया था कि नीतीश कुमार के लिए एनडीए के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। परन्तु इन सभी 'कथनों' को दरकिनार करते हुये दोनों ने ही एक दूसरे से हाथ मिला लिया ? हालांकि जे डी यू के कुछ नेताओं की तरफ से इस घटनाक्रम का दोष कांग्रेस पर मढ़ने की हास्यास्पद कोशिश की जा रही है। परन्तु दरअसल इस बार का पाला बदल नितीश कुमार पर बदनामी के साथ साथ अवसरवादिता की पराकाष्ठा की भी छाप छोड़ जायेगा।

आर जे डी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी तो यहाँ तक कहते हैं कि नीतीश के बारे में राजनैतिक विशेषज्ञ कुछ नहीं बता सकता बल्कि उनके बारे में तो 'मनोचिकित्सक' ही बता सकता है। नीतीश ने तो स्वयं ही विपक्ष के लोकतंत्र बचाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। उन्हें तो शर्म आनी चाहिए, यह धोखा देना है। यदि उन्हें कोई शिकायत थी तो वे बात कर सकते थे। ह्लजबकि कांग्रेस ने नीतीश कुमार पर धोखा देने और रंग बदलने का आरोप लगाया है। परन्तु कुछ राजनैतिक विश्लेषक इस पूरे नाटकीय घटनाक्रम के पीछे कुछ और ही वजह बता रहे हैं। कहा जा रहा है कि ह्लजेडीयू के नेताओं व उनके निकट सहयोगियों पर जांच एजेंसियों का कसता शिकंजा इसकी प्रमुख वजह है। मिसाल के तौर पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गत वर्ष सितंबर में जेडीयू विधान पार्षद राधाचरण सेठ की मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुई गिरफ़्तारी। बाद में पिछले ही साल नीतीश कुमार के एक और निकट सहयोगी जेडीयू विधायक और मंत्री विजय चौधरी के साले अजय सिंह उर्फ कारू सिंह के आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी,जेडीयू के करीबी माने जाने वाले एक और ठेकेदार गब्बू सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग द्वारा की गयी छापेमारी, बेगूसराय में बिल्डर कारू सिंह के आवास पर की गयी छापेमारी आदि केंद्र सरकार के ऐसे शिकंजे थे जिनके बाद यह संभावना बढ़ने लगी थी कि अब यह जांच नीतीश कुमार के कुछ करीबी अधिकारियों तक भी पहुँच सकती है। माना जा रहा है कि नीतीश के मन में भी यह डर जरूर रहा होगा कि कहीं इन्हीं मामलों में अब उनसे भी पूछताछ न शुरू हो जाए?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

मैं तो करूंगा गंदी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्र उरतृप्त

एक समय की बात है, दिव्य इंटरनेट जगत में, एक ऐसा उद्यम मौजूद था जिसे वेब सीरीज के नाम से जाना जाता था। ये ऑनलाइन शो डिजिटल दृश्यमंडल पर बिखेरे गए खुशियों के छोटे टुकड़े थे, जो लाखों दर्शकों को मनोरंजन प्रदान करते थे। हालांकि, वेब सीरीज की अनगिनत समुंदर में, एक ऐसा शो था जो खास तरह से अलग-था - "डेरेक और डेजी के नाटकीय गलतीयों की ड्रामाटिक कहानियाँ"।

डेरेक और डेजी मध्यमता के परिपूर्ण प्रतीक थे। वे दो लपेटे-फुंगे और गुमराहाट से भरी चरित्र थे जिनकी गलतीयाँ सामान्य बुद्धियाचार के कानूनों को चुनौती देने वाली थीं। वेब सीरीज उनके दिनचर्या के घटिये पर मुख्य थी, जैसे कि आई के फर्नीचर को इकेया करने से लेकर अपने अपने ही पड़ोस को खोने तक। श्रृंगार बढ़ा वाली एक एपिसोड में, खाना बनाने की कोशिश करते समय उन्होंने अज्ञात रूप से अपने अपार्टमेंट में आग लगा दी। दूसरे एपिसोड में, उन्होंने पूरे दिन सुपरमार्केट में खो गए, जबकि बाहर निकलने वाला रास्ता उनके घर के पहुंच से सीधे था। शो हंसी और हर्ष से भरी हथकड़ी की एक अद्भुत घटना थी, और दर्शक इससे पर्याप्त नहीं पा रहे थे। हालांकि, परदे के पीछे, "डेरेक और डेजी के नाटकीय गलतीयों की ड्रामाटिक कहानियाँ" का निर्माण चेष्टा रहित था, शो के सृजनकर्ता, एक वांछक संगीतकार नामक फिल डंडरहेड, अपने आप को वेब सीरीज दुनिया का विद्वान मानते थे। वास्तव में, वह उलटा था - एक अजीब और गुमनाम बालक जो किस्मत से कहानी के जगत में गलियारे में चौकिदार बन गया था। फिल सभी ओर हादसापूर्ण था। उसकी रचनात्मक प्रक्रिया में एक बोर्ड पर डार्ट मारकर से शुरू होती थी और जहां डार्ट लगता था, वही कोई विचार चुन लेता था। इससे अक्सर ऐसे एपिसोड बनते थे जहां डेरेक और डेजी असमर्थ स्थितियों में खुद को पाते थे, जैसे कि गलती से किसी षड्यंत्र में शामिल होना या प्रतियोगी पाई खाने की प्रतियोगिता में भाग लेना। फिल को लगता था कि ये अत्यंत अजीब कहानीबोध की शिखर हैं और शो के सफलता की कुंजी हैं। और भी, अवस्था और खराब बनाते जाने के बावजूद, फिल को यह भरोसा रहता था कि "डेरेक और डेजी के नाटकीय गलतीयों की ड्रामाटिक कहानियाँ" महानता के लिए निवेदनशील हैं।

ठंड में रजाई बालम प्यारा लागे

सूर्यदीप कुशवाहा

घनघोर सर्दी का पड़ना और कुंवारा रहना कलयुग में कष्टकारी अभिशाप है। पूर्व जन्म का पाप है। किसी ऋषि के अपमान का श्राप है। जनम -जनम का दुःख भुलाया जा सकता है। लेकिन सर्दी को अकेले नहीं भुनाया जा सकता।अब पढ़ाई -लिखाई रोजगार खोजने में उम्र सरक कर पचपन जा रही है। बेरोजगारों को तो लुगाई भी नसीब नहीं है। सरकारी योजनाओं में लुगाई भी लैपटॉप- सा फ्री बटने की मांग की जा सकती है। चुनावी मुद्दा बन सकता है। वैसे सर्दी में कुंवारा रहना राष्ट्रीय आपदा है। अगर आपदा है तो सरकार का फायदा है। इससे फायदा कुंवारे पचपन वालों का भी हैं। अभी तो दिल जवान है। उम्मीद पर दुनिया कायम है। दिल अभी मुलायम है। विवाह करने की कोई उम्र नहीं की जिद कायम है। भई कलयुग में भी कब्र पर बैठे उम्रदराज मर्द 24 उम्र वाली अप्सरा से विवाह कर कुंवारों को दर्द दे रहे हैं। ठंडी पियक्कड़ों के लिए बहाना है। गरमाहट का तराना है। मौसम में हुई चूक जाम से गर्म करते हैं।

ठंडी संगीन और सनसनीखेज समय है। ऐसे में एहतियात ही बचाव है। इसीलिए ठंडी चाहे जितना कमीना निकले वह आराम से सुरापान करते हैं। बंदा और ठंडा देखने में कितना शरीफ लगता है। लेकिन बुलबुला उतना ही उठता है।शराफत की खाल कहाँ कोई उतरता है। पता नहीं किस जनम का बैर निकाला ठंडी ने। वे मयखाने में बॉटल में इस कदर डूबे हुए थे कि उनका नियत भी डूबा गया। डूबने वाले हर जगह डूब जाते हैं बिन नदी तालाब और समुद्र के। सर्दी में रजाई में डूबना सुकून देता है। जीने की वजह बन जाती है। विवाह का लड्डू न खाने का मलाल कुंवारों को होता है। पर भाग्य भी तो कुछ होता है। दुर्भाग्य के सामने तो सबकी घिघ्घी बंध जाया करती है। हिम्मते मर्दे मददे खुदा। इस प्रकार वह होगा कुंवारेपन से जुदा। काली रातें भी रंगीन होंगी पर जिम्मेदारी होगी तब। हालांकि विवाह का जोखिम भी है। लेकिन जोखिम का सर्दी में फायदा भी है। फायदा तो हर कोई चाहता है। कुंवारों की सर्दी में सांसें मंहगाई की तरह उछलती हैं। सर्दी में नाक से तरल पदार्थ सब्जी के भाव की तरह लड़खड़ाने लगती है।

सीएम ने यूसीसी लागू करने से पहले सर्वोच्च पद पर महिला अफसर की ताजपोशी से दिया बड़ा संदेश

मातृशक्ति सम्मान

8 -उत्तराखंड के विकास को लेकर मुख्यमंत्री की कसौटी पर अनुकूल दिखती नई मुख्य सचिव राधा रतूड़ी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री धामी ने यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू करने से पहले राज्य में नौकरशाही के सर्वोच्च पद पर राज्य में पहली महिला मुख्य सचिव की जिम्मेदारी आईएएस राधा रतूड़ी को सौंपते हुए देवभूमि से मातृशक्ति सम्मान का बड़ा संदेश दिया है। मुख्यमंत्री धामी का यह निर्णय महिला सम्मान, सुरक्षा और महिला प्रधान वाले राज्य की परिकल्पना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नारी, सशक्त भारत की परिकल्पना पर खरा उतर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में राज्य के 7 से ज्यादा जनपदों में महिला सशक्तिकरण और सम्मान को लेकर मातृ शक्ति वंदन महोत्सव में प्रतिभाग कर महिलाओं की राज्य के विकास में अहम भागीदारी का संदेश जन जन तक पहुंचाया है। यह कार्यक्रम अभी जारी हैं। इसके अलावा राज्य की महिलाओं को नौकरी-पेशे में 30 फीसद आरक्षण देकर मुख्यमंत्री धामी ने पहले ही नारी शक्ति सम्मान पर बड़ा निर्णय ले लिया था। जबकि महिला सुरक्षा, सम्मान और अधिकार को लेकर देश के सबसे बड़े कानून समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की तिथि का भी ऐलान एक दिन पहले मुख्यमंत्री कर चुके हैं।

इन बड़े निर्णयों के बाद मुख्यमंत्री धामी ने आज नौकरशाही के सबसे बड़े पद पर राज्य गठन के 23 साल बाद पहली बार मुख्य सचिव की जिम्मेदारी वरिष्ठ महिला अधिकारी आईएएस राधा रतूड़ी को सौंपी है। सरकार का यह निर्णय भी महिलाओं को सशक्त और सम्मान से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके पीछे सरकार ने दो फरवरी को यूसीसी के ड्राफ्ट आने और उस पर होने वाले फैसले को लेकर भी अपनी मंशा साफ कर दी है।

गौरतलब है कि धामी सरकार ने यूसीसी कानून में महिला सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल किए गया है। अब यूसीसी राज्य में लागू होने जा रहा है तो इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी बड़ी है। ऐसे में राज्य सरकार ने यूसीसी कानून लागू करने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विचारधारा पर अनुकूल बैठने, राज्य की रीति-नीति से वाकिफ महिला अफसर को नौकरशाही के सर्वोच्च पद पर स्थापित कर देवभूमि से पूरे देश में बड़ा संदेश दिया है।

उत्तराखंड इतिहास में पहली बार देखने को मिल रहा कि जिलों में डीएम, एसपी और एससपी के पदों पर 7 से ज्यादा महिला अफसर हैं। मुख्यमंत्री धामी ने पहले दिन से ही मातृशक्ति प्रदान उत्तराखंड में महिला अफसरों को जिम्मेदारी दी हैं।

इनमें राजधानी देहरादून, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़, नैनीताल, बागेश्वर जैसे जिलों में डीएम और एसपी की जिम्मेदारी महिलाओं के पास हैं।

पहाड़ों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

मौसम

8 देहरादून सहित आसमान में बादल मंडरा रहे हैं। देहरादून में सुबह ठंड के बीच हल्की धूप निकली।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्य के पर्वतीय जिलों में दो दिनों के लिए मौसम विभाग ने बारिश और बर्फबारी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बर्फबारी से राज्य में पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

बुधवार सुबह से ही देहरादून सहित आसमान में बादल मंडरा रहे हैं। देहरादून में सुबह ठंड के बीच हल्की धूप निकली। लंबे समय से मैदान में कोहरा और पहाड़ों में पाले ने आमजनों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। अब बारिश और बर्फबारी की उम्मीद जगी है। मसूरी सहित अन्य स्थानों पर बर्फबारी नहीं होने से पर्यटक व्यवसायियों में मायूसी है। बर्फबारी होने से राज्य में पर्यटक रुख कर सकते हैं।

मौसम विभाग ने आज (31 जनवरी) और एक फरवरी के लिए बारिश-बर्फबारी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमान में दो से पांच फरवरी तक कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी के आसार है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ मजबूती के साथ सक्रिय हो रहा है। 31 जनवरी की शाम या रात से उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़ जिलों में तीन हजार मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में भारी से भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में भी दो दिन अच्छी बारिश होगी। दो से पांच फरवरी तक भी 2500 से 3000 मीटर ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है, जिससे ज्यादातर क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आ सकती है।

संक्षिप्त खबरें

पेयजल कर्मियों ने धरना 20 तक स्थगित किया

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
जल निगम और जल संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने फरवरी 20 तक के लिए धरना स्थगित कर दिया है।
बुधवार को तिकोनिया स्थित जल संस्थान कार्यालय में बैठक कर धरने में बैठे कर्मचारियों का आभार जताया। संयुक्त मोर्चा के मंडल संयोजक शीतल साह और संजय जोशी ने कहा कि जिन कार्यों को जल निगम और जल संस्थान करते आए हैं, उन्हें एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) से कराने के पीछे सरकार और शासन की मंशा केवल पेयजल सेक्टर का निजीकरण करने की है। उन्होंने कहा कि मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को बाध्य होंगे।

मंडल स्तरीय एथलेटिक्स में बच्चों ने प्रतिभा दिखाई

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
खेल निदेशालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में अनुसूचित वर्ग के बालक-बालिकाओं की मंडल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में जारी है। दोनों वर्गों में कुल 109 प्रतियोगियों ने दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।
पहले दिन विभिन्न वर्गों की दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन प्रतियोगिताएं संपन्न कराईं गईं। बालक वर्ग में 69, बालिका वर्ग में 40 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। महेश फर्त्याल, महेश बिष्ट, मुकेश शर्मा, हरीश राम, ममता बोरा ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। यहां उप क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल, किशोर पाल, नीता पोखरिया, पूनम मेहता, किरन मौर्या, किशन सिंह बोरा, कैलाश जोशी, गंगा जोशी, मधु आदि मौजूद रहे। शॉटपुट प्रतियोगिता के बालक वर्ग में चंद्र सिंह, विकास आर्य, स्वामी आयुष, बालिका वर्ग में नीलम विश्वकर्मा, बबीता, रिमझिम, डिस्कस प्रतियोगिता बालक वर्ग में स्वामी आयुष, चंद्र सिंह, लक्ष्मण सिंह, बालिका वर्ग में नीलम विश्वकर्मा, निष्ठा आर्या, गुंजन, 800 मीटर दौड़ बालक वर्ग में हिमेश कुमार, दीपक कुमार, उमेश, बालिका वर्ग में महक, राखी, रिमझिम, 400 मीटर दौड़ बालक में अंशु कुमार, अनिल कुमार, अशोक, बालिका वर्ग में महक, दीया टम्टा, कशिश आर्या, 200 मीटर दौड़ बालक में आदर्श कुमार, अंशु कुमार, राहुल, बालिका वर्ग में संगीता, सुप्रिया, मीरा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कारिडोर के नाम पर व्यापारियों को न उजाड़े सरकार : उमेश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार आज हरिद्वार व्यापारियों के मध्य पहुंचे। यहां उन्होंने बैठक कर कारिडोर को लेकर व्यापारियों को अपना समर्थन दिया।
बैठक में विधायक उमेश कुमार ने कहा कि कारिडोर के नाम पर सरकार व्यापारियों को न उजाड़े। उन्होंने व्यापारियों को सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे व्यापारियों के साथ है और किसी भी कीमत पर व्यापारियों का अहित नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पाराशर व अन्य मौजूद रहे।

कोहरा के कारण पांच वाहन आपस में टकराए, दो घायल

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
घने कोहरे के कारण हरिद्वार बाइपास पर बड़ा हादसा हो गया। यहां एक के बाद एक पांच वाहन आपस में टकरा गए। हादसा होते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। इसमें दो लोग घायल हो गए। हादसे के कारण हाइवे पर लंबा जाम लग गया।
हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने बामुश्किल जाम खुलवाया। हादसा हरिद्वार बाईपास पर ढंडेरी ख्वागजीपुर के सामने हुआ।
देर रात हरिद्वार बाईपास पर ढंडेरी ख्वागजीपुर के सामने गन्ने से लदी ट्रैक्टर ट्राली खराब हो गई।

ग्राम पंचायत शाहपुर शीतल खेड़ा उत्तराखंड की सबसे आधुनिक ग्राम पंचायत

सौंदर्यीकरण

8 ग्राम पंचायत में गांवों के मुख्य मार्ग पर दोनों ओर बड़े बड़े गमले व सुंदर पेड़ लगाए गए हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जनपद के गांव शाहपुर शीतला खेड़ा में ग्राम पंचायत के कराये जा रहे सौंदर्यीकरण के सभी कार्य आज पूर्ण हो गए। ग्राम पंचायत में गांवों के मुख्य मार्ग पर दोनों ओर बड़े बड़े गमले व सुंदर पेड़ लगाए गए हैं। साथ ही पंचायत घर को भी राज्य का सबसे आधुनिक पंचायत घर बनाया गया है।

पंचायत घर के सामने ग्राउंड को चारों ओर पेड़ लगाकर सजाया गया है, जिसमें गांवों के युवा साथी खेल कूदकर स्वास्थ्य लाभ उठा सके। वहीं दूसरी ओर बाहर से आने वाले अतिथियों के स्वागत के लिए मार्ग को बहुत सुंदर रूप दिया गया। विशिष्ट विकास थीम योजना के तहत ग्राम पंचायत शाहपुर शीतला खेड़ा में सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू किया गया, जो आज समाप्त हो गया है।
ग्राम प्रधान दीपक सैनी ने बताया कि स्वच्छता कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत शाहपुर शीतला खेड़ा ब्लॉक बहादराबाद हरिद्वार का सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया है।
उन्होंने बताया कि पंचायत घर को भी उत्तराखंड राज्य का सबसे आधुनि पंचायत घर बनाया गया।
गौरतलब है कि 30 सितम्बर 2023 को भारत मंडपम दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प सप्ताह का आयोजन किया था, जो देश के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में मनाया जाना था, जो एक विशिष्ट विकास थीम को समर्पित है। कार्यक्रम के तहत बहादराबाद ब्लॉक के पांच गांवों को लिया गया था, जिसमें ग्राम पंचायत शाहपुर शीतला खेड़ा का नाम भी सम्मिलित था।

स्मैक के साथ आरोपित गिरफ्तार

ड्रग्स फ्री देवभूमि

8 ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत ज्वालापुर पुलिस ने एक आरोपित को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने एक आरोपित को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है।
पुलिस ने आरोपित के पास से नकदी व अन्य सामान बरामद किया है।
चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक आरोपित वसीम उर्फ सोनू पुत्र नसीम उर्फ सीमा निवासी ईदगाह रोड पांवधोई कोतवाली ज्वालापुर

हरिद्वार को काजी कॉलोनी के पास से 6.60 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के पास से एक इलेक्ट्रानिक तराजू व 590 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

जन्मदिन पर मंत्री जोशी ने की मंदिरों में पूजा, लिया वरिष्ठों का आशीर्वाद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने 67वें जन्मदिवस के अवसर देहरादून के विभिन्न मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना की गई। उन्होंने डाट काली मंदिर, दरबार साहिब, मानक सिद्ध मंदिर व कुमांचल भवन स्थित मां दुर्गा मंदिर और में पूजा अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने परिवार संग हवन यज्ञ किया और प्रदेशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की। टपकेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित भंडारे में सूबे के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र भगत सिंह कोश्यारी सहित कई बड़ी हस्तियां ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को उनके जन्मदिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

व्यापारी हितों का ध्यान रखते हुए तैयार की जाए कोरिडोर की डीपीआर: सेठी

डीपीआर

8 सेठी ने कहा कि हरिद्वार एक सीधी रेखा में बसा छोटा सा शहर है, जिसके एक तरफ गंगा व दूसरी तरफ पहाड़ है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
महानगर व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने विधायक मदन कौशिक के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा कि कारिडोर डीपीआर तैयार करने वाली एजेंसी को हरिद्वार के प्रत्येक व्यापारी के व्यापार हितों का ध्यान रखते हुए डीपीआर तैयार करनी चाहिए, जिससे किसी भी व्यापारी का अहित हुए बिना हरिद्वार की पौराणिकता का विशेष ध्यान रखते हुए जनहित में डीपीआर बने।
सेठी ने कहा कि हरिद्वार एक सीधी रेखा में बसा छोटा सा शहर है, जिसके एक तरफ गंगा व दूसरी तरफ पहाड़ है। शेष हिस्से में बसा शहर बाजार और उसमें ही रिहाइश है, उसको ध्यान रखते हुए सभी संस्थाओं, व्यापार मंडलों, धर्मशाला, होटल एसोशियन, जनप्रतिनिधियों से वार्ता कर डीपीआर पर कार्य किया जाए, जिसमें गंगा किनारे खाली जमीन पर घाटों पर विस्तार करके अन्य स्थानों कर खाली पड़ी जमीनों पर एक भव्यता का रूप देकर आने वाले श्रद्धालुओं को एक अच्छी व्यवस्था मिले और किसी का भी कोई अहित न हो। डीपीआर बनाने वाली एजेंसी सभी की राय लेकर प्लान तैयार करे।
महामंत्री नाथीराम सैनी ने कहा कि हरिद्वार में हर वर्गीय व्यापारी यात्रियों पर ही निर्भर है। कई पीढ़ियों के जमाए व्यापार से अपना घर चलाता है। उसके लिए उसका व्यापार ही जीवन है और सरकार हमेशा व्यापारी हित में ही कार्य करती आई है। सरकार को व्यापारि हितों का ध्यान रखते हुए एक अच्छी व्यवस्था श्रद्धालुओं को देने के हिसाब से प्लान पर एजेंसी को डीपीआर तैयार करने के लिए निर्देशित करना चाहिए, जिससे हर वर्गीय व्यापारी का कोई भी अहित न हो।
ज्ञापन सौंपने वालों में प्रीत कमल, जिला उपाध्यक्ष पंकज माटा, महानगर उपाध्यक्ष सुनील मनोचा, सोनू चौधरी, एसएन तिवारी, भूदेव शर्मा, राकेश सिंह, अनिल कुमार, मनोज ठाकुर, राहुल अरोड़ा, मनोज चौहान उपस्थित रहे।

40 वर्षों के शानदार करियर के बाद सेवामुक्त हुए कमांडेंट वीके मिश्रा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
लेफ्टिनेंट जनरल वीके मिश्रा, पीवीएसएम, एवीएसएम, कमांडेंट, भारतीय सैन्य अकादमी ने लगभग 40 वर्षों से अधिक के शानदार करियर के बाद, महत्वपूर्ण कमांड, स्टाफ और निदेर्शात्मक नियुक्तियों के बाद आखिरकार 31 जनवरी-2024 को ओलिव ग्रीन्स को अलविदा कह दिया।
आईएमए, वॉर मेमोरियल में आयोजित एक सादे और गंभीर समारोह के दौरान, जनरल ऑफिसर ने उन सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र, उन्हें दिसंबर 1985 में 17वीं बटालियन, जम्मू और कश्मीर

राइफल्स में नियुक्त किया गया था। वह डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन से स्नातक हैं और उन्होंने आर्मी वॉर कॉलेज में हायर कमांड कोर्स में भाग लिया है। महू के साथ-साथ नई दिल्ली में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में भी उन्होंने दायित्व निभाया।
जनरल ऑफिसर के पास तीन दशकों से भी अधिक समय का बहुत समृद्ध और विविध परिचालन अनुभव है, चाहे वह जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सेवा करना हो, जहां वह ऑपरेशन में घायल भी हुए थे, या कार्यकाल सहित विभिन्न स्तरों पर चुनौतीपूर्ण, उग्रवाद विरोधी अभियान हो। दक्षिण कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स या त्रिपुरा में असम राइफल्स के साथ। उनके विशाल एवं विविध अनुभव से अकादमी को अत्यधिक लाभ हुआ है।
जनरल मिश्रा ने भारतीय सेना के लिए बेहतरीन भविष्य के अधिकारी कैडर तैयार करने के लिए संस्थागत नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए आईएमए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की संकल्पना के संदर्भ में आईएमए में विभिन्न पहल की हैं। उन्होंने आधुनिक युद्ध की चरम प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के कार्यों के लिए भी दृष्टिकोण तैयार किया है। जनरल ऑफिसर ने प्रतिष्ठित भारतीय सैन्य अकादमी के कमांड बैटन को आईएमए के 52वें कमांडेंट, एसएम लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन को सौंपा।

एबीवीपी ने प्रदर्शन जारी रखते हुए कुलपति को दिया ज्ञापन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एसजीआरआर इकाई के कार्यकताओं व एसजीआरआर महाविद्यालय के छात्रसंघ पदाधिकारियों श्री गुरु रामराय विश्वविद्यालय व श्री गुरु रामराय महाविद्यालय से संबंधित समस्याओं को लेकर लगातार दूसरे दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रहा।
महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के विभिन्न मुद्दों एवं समस्याओं को लेकर कुलपति से मांग की गई गयी। इन मांगों का छात्रसंघ कुलपति को ज्ञापन सौंपा और उन्हें अवगत कराया कि जब तक समस्त समस्याओं का निवारण नहीं किया गया, तब तक अनिश्चित कालीन

धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री ऋषभ रावत भी पहुंचे।
ऋषभ रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया से लेकर प्लेसमेंट तक सभी समस्याओं का तत्काल निस्तारण विश्वविद्यालय को करना होगा।
छात्रसंघ अध्यक्ष चन्दन सिंह नेगी ने कहा कि जब तक सभी मांगें नहीं मान ली जाती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा छात्रसंघ की मांगों में परीक्षा कॉपियों की पुनः जांच हेतु शुल्क 2500 से कम करके 500 रुपये किया जाना, छात्रों को पुनः जांच के लिए केवल दो कॉपियों के बजाए सभी कॉपियों की जांच करायी जा सके ऐसी अनुमति हो।
एसजीआरआर एजुकेशन मिशन के अन्तर्गत आने वाले सभी कैंपस में होने वाली सभी प्रकार की भर्तियों में आउटसोर्स अवलोक्य प्राइवेट लिमिटेड को हटाया जाये। अन्य मांगों में फेस्ट के नाम पर लिए गई टिकटों की धनराशि वापस करना, एमबीबीएस के छात्रों से बैंक नाम पर जबरन वसूली बंद की जाए। इस तरह की 12 मांगे शामिल हैं।
ज्ञापन देने वालों में विद्यार्थी परिषद के छात्रसंघ महासचिव नीरज रतूड़ी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पार्थ जुयाल,पूर्व छात्रसंघ महासचिव नितिन चौहान, राहुल जुयाल, प्रिंस भट्ट, मुकुल नेगी विवि प्रतिनिधि आकाशी मल्ल,अंशुल बहुगुणा,आबिदा रहीम,प्रियांशु रावत, बलवीर कुंवर ,आकाश कुमार,रितिक रावत ,रोहित रावत,साहिल पंवार, आयुषी पैन्यूली, आजाद डोभाल एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी राधा रतूड़ी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव राधा रतूड़ी होंगी। धामी सरकार ने उन्हें मुख्य सचिव बनाकर मातृ शक्ति को बड़ा सम्मान दिया है। सचिव शैलेश बगोली ने नए मुख्य सचिव को लेकर आदेश जारी किया है। मौजूदा मुख्य सचिव एसएस संधू की सेवाएं आज (31 जनवरी) समाप्त हो रही हैं।
धामी सरकार ने 1988 बैच की आईएएस अधिकारी और वर्तमान में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को राज्य का नया मुख्य सचिव बनाने पर मुहर लगाई है। राधा

रतूड़ी आज मुख्य सचिव संधू की सेवानिवृत्ति पर पदभार ग्रहण करेंगी।
आईएएस राधा रतूड़ी अपने 36 वर्ष के कार्यकाल में कई अहम पदों पर रही हैं। वो राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक पद पर अलग राज्य बनने के बाद आसीन होने वाली पहली महिला आईएएस अधिकारी होंगी। 1973 बैच की आईपीएस अधिकारी कंचन चौधरी भट्टाचार्य वर्ष 2004 में राज्य की पहली महिला डीजीपी बनी थीं। आईएएस राधा रतूड़ी के पति 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल रतूड़ी भी डीजीपी रहे हैं। यह संयोग राज्य में पहली बार होगा, जब पति व पत्नी, दोनों ही प्रशासनिक व पुलिस सेवा के वरिष्ठतम पद पर आसीन रहे हों।

जानकारी

बच्चों को दूसरी महिला से स्तनपान कराना कितना सुरक्षित?

खतरनाक नहीं, लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

कई महिलाएं होती हैं, जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है?

दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। हालांकि यह स्थिति तब बनती है जबकि बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के स्तनों में दूध नहीं आता या बहुत कम दूध आता है, जो बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं होता। हर शिशु के लिए मां का दूध शुरुआती समय में एक संपूर्ण आहार माना जाता है, लेकिन, ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है? आपको बता दें कि दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। आपने अपनी दादी या नानी से भी इसके बारे में सुना ही होगा कि उन्होंने घर या रिश्तेदारों में किसी और के बच्चे को अपना स्तनपान करवाया है और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अगर आपके स्तनों में दूध की मात्रा बहुत ही कम बनती है या दूध होता ही नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वेट-नर्सिंग की मदद ले सकते हैं।

कितना सुरक्षित है वेट-नर्सिंग?

विशेषज्ञों की मानें, तो किसी और के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाना खतरनाक नहीं है, लेकिन, यह पूरी तरह से सुरक्षित भी नहीं है। यह बच्चे के लिए कितना सुरक्षित है, यह स्तनपान करवाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं आज के समय में एक-दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं। कई मामलों में यह पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है, लेकिन कुछ हालातों में किसी और से अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर स्तनपान कराने वाली महिला गंभीर बीमारी की मरीज हो, जैसे: एचआईवी, कैंसर या दूसरी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या तो यह बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर महिला किसी तरह के नशीले पदार्थों का सेवन करती हो, जैसे शराब, सिगरेट आदि। अगर महिला नियमित तौर पर किसी तरह के दवा की आदी हो।

नहाकर आप हमेशा ही फ्रेश फील करते हैं पर क्या आप भरोसा करेंगे कि नहाने के कुछ नुकसान भी हैं। नहीं न! तो आइए हम आपको बताते हैं नहाते वक्त ऐसी कौन सी चीजें न करें, जिससे आपके शरीर या त्वचा को कोई नुकसान पहुंचे।

ठंड में नहाते समय 5 गलतियां खराब कर सकती है आपकी त्वचा और बाल

आपको हर दिन नहाने की जरूरत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्या कभी हर दिन नहाना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है? हो सकता है कि नहाने के कारण भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच रहे हो। आपको न पता हो पर नहाते वक्त आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल भी पानी के साथ बह जाते हैं। इसके अलावा बहुत देर तक गर्म और ठंडे पानी से नहाने के भी अपको नुकसान होते हैं। इसके लिए जरूरी है हम कुछ चीजों को नहाते वक्त करने से बचें। आइए हम आपको बताते हैं इन्हीं कुछ चीजों को बारे में।

गर्म पानी से न नहाएं

हमें न तो बहुत गर्म पानी से नहाना चाहिए, न ही बहुत ठंडे पानी से, क्योंकि इसके कारण आपके शरीर को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं तो कोशिश करें कि हमेशा ही गुनगुने पानी से नहाएं, जिसका तापमान बैलेंस हो। पर कुछ लोग ज्यादा आराम पाने के लिए गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन इससे आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। दरअसल गर्म पानी आपकी त्वचा से प्राकृतिक तेलों को निकाल सकता है। गर्म पानी की वजह से भी आपकी त्वचा खुजली और सूखी हो सकती है। यदि आप ठंडे स्थान पर भी रहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि पानी का तापमान नहाते वक्त ज्यादा न हो, जिससे आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल बने रहे।

बहुत लंबे समय तक नहाने से बचें

शॉवर में 30 मिनट बिताना आपके लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन आपकी त्वचा के लिए यह हानिकारक हो सकता है। यह आपकी त्वचा से नेचुरल लिपिड को हटा सकता है, जो त्वचा को नम रखने के लिए पानी को त्वचा में बांधकर रखने में मदद करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शॉवर में 10 मिनट से ज्यादा न बिताएं। साथ ही बाल्टी के पानी से धीरे-धीरे नहाएं। इससे आपकी त्वचा पर सीधे पानी की धार नहीं पड़ेगी और त्वचा एक दम से ठंडी और गर्मी के लिए सेंसिटिव भी नहीं होगा।

बहुत ज्यादा सुगंध वाले साबुन के इस्तेमाल से बचें

सुगंध वाले साबुन में ऐसी सामग्री भी होती है, जो आपकी त्वचा से नमी को छीन सकती है। वे त्वचा में अत्यधिक सूखापन पैदा कर सकते हैं। अक्सर साबुनों में पैराबेन्स, सिंथेटिक रंग, सुगंध, सोडियम लॉरिल सल्फेट और फॉर्मलाडेहाइड शामिल होते हैं, जिससे शरीर की त्वचा पर अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों को तो इन साबुनों से इंफेक्शन भी हो जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि बिना सुगंध वाले और मिल्क प्रोटीन वाले साबुनों का इस्तेमाल करें। अगर आप साबुन से नहाकर अपने पसीने की बदबू को हटाना चाहते हैं, तो आप नहाते वक्त पानी में इत्र डाल सकते हैं। इसके अलावा आप साबुन लगाने के बाद एक बार नहाकर कोई सुगंधित तेल लगा लें और फिर नहा लें। इससे आपके शरीर की त्वचा सुगंधित भी रहेगी और मॉइश्चराइज भी।

नहाने के बाद शरीर को अच्छे से सुखाएं

कुछ लोग नहाने के बाद शरीर को बिना अच्छे से सुखाए ही कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर में लगे हुए पानी के कण बाद में दाद और खुजली का कारण भी बन सकते हैं। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि आप साबुन और अन्य उत्पादों को अच्छी तरह से धोकर नहाएं। इससे आपके त्वचा के पोर्स भी ब्लॉक हो सकते हैं, जिससे मुंह पर मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए मुहासों को रोकने के लिए अपने बालों को अच्छी तरह से साफ करें।

गीले तौलिए से शरीर न पोंछे

कोशिश करें कि नहाने के बाद सूती कपड़े से शरीर को पोंछे। दरअसल सूती तौलिया शरीर के पानी को अच्छे से पोछता है और साफ कर देता है। साथ में कोशिश यह भी करें कि नहाने के बाद शरीर को गीले तौलिए से न पोंछे। इससे स्किन इंफेक्शन्स हो सकते हैं। इससे आप दाद-खाज और खुजली से हमेशा बचे रह सकते हैं।

सेहत

वैज्ञानिकों ने बताया भारतीयों में क्यों छोटा होता है दिमाग

छोटा दिमाग होने का है फायदा

भारतीयों में पश्चिमी व पूर्वी देशों की तुलना में छोटा दिमाग होता है, इस बात का खुलासा हाल में हुए एक अध्ययन में किया गया। शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय ब्रेन एटलस बनाया है, जिसमें कि अध्ययन से पता चला है कि पश्चिमी और अन्य पूर्वी देश की आबादी की तुलना में भारतीय मस्तिष्क, औसतन, ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा में छोटा है, लेकिन इसमें कोई बुरा मानने या नुकसान वाली कोई बात नहीं है, बल्कि फायदा है। जी हां शोधकर्ताओं ने बताया कि छोटा दिमाग, अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी और मस्तिष्क संबंधी अन्य बीमारियों के जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। यह शोध 'जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया' में प्रकाशित हुआ है। सेंटर फॉर विजुअल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जयंती शिवस्वामी, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम किया ने कहा कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) टेम्पलेट, जो मानक के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे कोकेशियान ब्रेन का उपयोग करके बनाया गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह भारतीय आबादी में मस्तिष्क के अंतर का विश्लेषण करने के लिए आदर्श नहीं है, क्योंकि भारतीयों का दिमाग टेम्पलेट से छोटा होता है, जो कि कई स्कैन में साबित हुआ है।

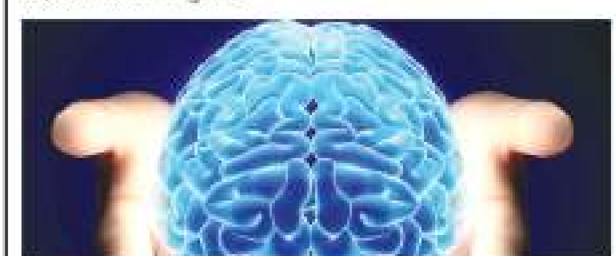

जयंती शिवस्वामी ने बताया कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) की तुलना में भारतीय दिमाग आकार में छोटा होता है, स्कैन में आने वाले अंतर चिंताजनक और खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एमआरआई इमेज की तुलना एमएनआई टेम्पलेट से की गई। अध्ययन के आधार पर स्पष्ट सबूत है कि बड़े एटलस का निर्माण करना जरूरी है, क्योंकि यह संरचनात्मक रूप से समझना महत्वपूर्ण है कि सामान्य क्या है। इससे मस्तिष्क की कई स्थितियों को जल्द पकड़ने में मदद मिलेगी।

कैसे किया गया अध्ययन?

इस अध्ययन में जयंती ने बताया कि टेम्पलेट निर्माण के लिए उन्होंने चीन और कोरिया की आबादी का ब्रेन स्ट्रक्चर तैयार किया। जबकि भारतीयों के दिमाग का एटलस बनाने का यह पहला प्रयास था, जिसमें भारतीय मस्तिष्क एटलस बनाने में आईआईआईटी-हैदराबाद टीम द्वारा पहले प्रयास में 50 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे, जिसमें स्कैनिंग मशीनों में भिन्नता का पता लगाने के लिए इन विषयों के दिमाग के एमआरआई स्कैन को तीन अलग-अलग अस्पतालों में तीन अलग-अलग स्कैनरों में लिया गया। पायलट अध्ययन के परिणामों के अनुसार, एटलस के अंतिम निर्माण में 100 इच्छुक प्रतिभागियों को भर्ती करने के लिए आगे बढ़े, जिन्हें आईबीए 100 कहा जाता है।

जयंती ने कहा एटलस को विभिन्न आबादी के लिए अन्य एटलस के खिलाफ मान्य किया गया था। ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा यानि वॉल्यूम में ये अंतर संरचनात्मक स्तर पर भी पाए जाते हैं, जैसे कि हिप्पोकैम्पस की मात्रा, लेकिन कुल मिलाकर, IBA 100 चीनी और कोरियाई एटलस के साथ दूर के कोकेशियान एक (MNI) की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम वर्तमान में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कई परिवर्तन हैं जो मस्तिष्क में बढ़ती उम्र के कारण होते हैं, जिसमें सबसे विशिष्ट है, संरचनाओं का सिकुड़ना उन्होंने यह भी कहा कि इससे डिमेंशिया या अल्जाइमर का इलाज करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि ये हिप्पोकैम्पस से जुड़े हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक होंगे। पदोन्नति मिलने का योग है। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर होगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आय लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में सफलता बढ़ेगी। स्वास्थ्य नरम, स्थिति से अधिक प्रभावित होगा। शुभांक-3-8-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरुषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक होगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसे की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतान से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में पर्याप्त तालमेल और समन्वय बन जाएगा। भाई-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। प्रत्युत्तर में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, पथबद्ध कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का होगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 1974

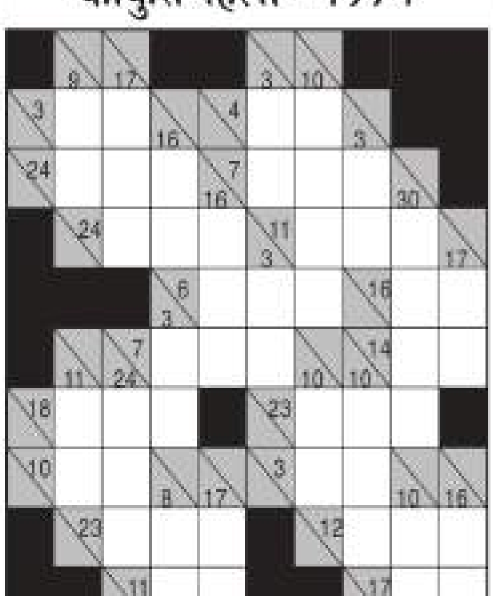

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए। किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1973 का हल

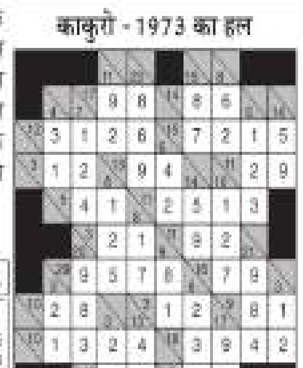

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी- 'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति- 'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1974

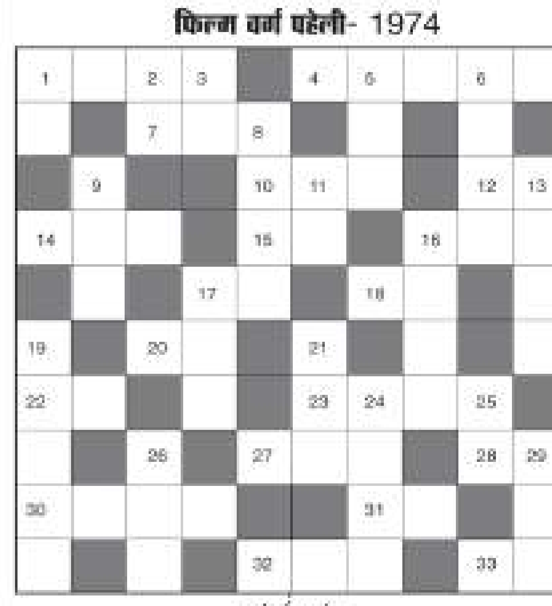

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोम्बी रे मोम्बी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, सैनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'चंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश में और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू प्यारी' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दिल बिन तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अजय की फिल्म-४
२३. मंजयदत्त, माधुरी, की 'रुपया रे रुपया' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बलमा ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े भावुक हो तुम' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, तैरी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, विनोद, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बन चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, विनोद, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, चन्दा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन सा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, शिल्पा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1973

सूडोकु -1974

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति व छोटे 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1973 का हल

शब्द पहेली - 1974

बाएँ से दाएँ

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवाला, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. ढोंढी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दागा-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टोंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़पाना-4
41. टाउन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. डराना-4
20. फल-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. व्याकरणाः-4
26. पतवारिया-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 1973 का हल

शिवम दुबे के लिए आई अच्छी खबर, मुंबई की रणजी टीम में मिली बड़ी जिम्मेदरी

नई दिल्ली. भारत के टी20 ऑलराउंडर शिवम दुबे को मुंबई की क्रिकेट टीम के नए उपकप्तान नियुक्त किए गए हैं। मंगलवार को चयनकर्ताओं ने 2 फरवरी से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बंगाल के खिलाफ खेले जाने वाले अगले मैच के लिए टीम चुनते समय शिवम दुबे को कप्तान अजिंक्य रहाणे के डिप्टी के रूप में प्रमोट करने का फैसला किया। शिवम दुबे को इसलिए प्रमोट किया गया है, क्योंकि मुंबई के नियमित उपकप्तान शम्स मुलानी को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे अनाधिकारिक टेस्ट में इंडिया ए की ओर से खेलने के लिए चुना गया है।

30 वर्षीय शिवम दुबे ने सोमवार 29 जनवरी को उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की दो विकेट की करीबी हार में अपनी सीम गेंदबाजी से पहली पारी में 32 रन देकर 3 विकेट लेने के अलावा 117 रन भी बनाए थे। मुंबई क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता राजू कुलकर्णी ने टीओआई को बताया, उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और इस सीजन में भारत और मुंबई दोनों के लिए अपनी योग्यता साबित की है। यह मुंबई क्रिकेट के लिए एक कदम आगे है। रहाणे, जिनको यूपी मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में ग्रेड 1 की चोट लगी थी और इस कारण वह अंतिम दिन फील्डिंग नहीं कर सके, अधिकारियों को उम्मीद है कि वह टीम का हिस्सा है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि वह मैच के लिए फिट हो जाएंगे। इस बीच ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को मुंबई 23 टीम के लिए उनके शानदार फॉर्म का इनाम रणजी ट्रॉफी कॉलअप के साथ मिला। शेडगे ने 23 कर्नल सीके नायडू मैच में हरियाणा के खिलाफ मुंबई की पहली पारी में 133 गेंदों में 168 रन बनाए थे।

मयंक अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई, फ्लाइट में हो गए थे बुरी तरह बीमार

अगरतला. कर्नाटक की टीम के कप्तान और लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार विमान में बीमार पड़ने के बाद अगरतला में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत में सुधार है, लेकिन इस घटना ने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। मयंक ने किसी साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज करायी है।

उन्होंने पानी समझकर एक पाउच से एक पेय पदार्थ पीया था, जो इंडिगो एयरलाइन्स के विमान में उनकी सीट पर रखा था। इसे पीने के बाद वे बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। मयंक अग्रवाल ने अपने मैनेजर के जरिए पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज करायी है।

पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरन कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'मयंक अग्रवाल एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं। अब उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उनके मैनेजर ने मामले की जांच के लिए एनसीसीपीएस (न्यु कैपिटल कॉम्प्लेक्स पुलिस थाने) में एक शिकायत दर्ज करायी है।

उन्होंने बताया, "उनके मैनेजर ने कहा है कि जब वह विमान में बैठ रहे थे तो उनके सामने एक पाउच रखा था। उन्होंने उसमें से थोड़ा-सा पेय पदार्थ पीया, लेकिन अचानक उनके मुंह में जलन होने लगी और वह कुछ बोल भी नहीं पाए और उन्हें आईएलएस अस्पताल लाया गया। उनके मुंह में सूजन और छाले थे। हालांकि, अब उनकी हालत स्थिर है।"

बेन फोक्स ने माना- भारत में विकेटकीपिंग करना बेहद कठिन, बल्लेबाजी करना भी आसान नहीं

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स ने माना है कि भारत में विकेटकीपिंग करना बेहद कठिन है। यहां तक कि बल्लेबाजी करना भी आसान नहीं है, क्योंकि यहां उछाल और स्पिन दोनों होता है।

नई दिल्ली. विशाखापट्टनम में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत और इंग्लैंड की टीम यहां पहुंच चुकी हैं। लंबे समय के बाद इस स्टेडियम को कोई टेस्ट मैच मिला है। इससे पहले यहां दो ही टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें भारत को जीत मिली है। भारत की टीम यहां जीतती है तो सीरीज 1-1 से बराबर हो जाएगी, क्योंकि मेजबान टीम पहला मैच हार चुकी है। वहीं, अबू धाबी में तीसरे टेस्ट मैच से पहले एक शॉर्ट ब्रेक के लिए जाने से पहले इंग्लैंड की टीम सीरीज में 2-0 से आगे निकलने का प्रयास करेगी। टीम और विकेटकीपर के तौर पर आई चुनौतियों को लेकर बेन फोक्स ने बयान दिया।

हैदराबाद में स्पिन फ्रेंडली विकेट था, जहां मेजबान ही फंस गए। ऐसे में आशंका है कि विशाखापट्टन में और भी ज्यादा स्पिन फ्रेंडली विकेट दूसरे टेस्ट के

लिए तैयार होगा। इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों ने 2021 में भारत का दौरा किया, उन्हें चेन्नई में अपनी शुरुआती जीत के बाद हुई तीन करारी हार अच्छी तरह से याद हैं। उस सीरीज के दूसरे टेस्ट में टीम में आए बेन फोक्स ने सीरीज को याद करते हुए क्रिकइंफो को बताया, +ये तीनों शायद सबसे खराब पिचें थीं, जिन पर मैंने बल्लेबाजी की है।+ उन्होंने ये भी बताया कि एक विकेटकीपर के तौर पर उनके लिए मुश्किल हुई थी।

हालांकि, इंग्लैंड की टीम बेन स्टोक्स की कप्तानी और ब्रैंडन मैकुलम की कोचिंग मे बैजबॉल क्रिकेट खेल रही है, जिसके तहत वे आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। इसी को लेकर फोक्स ने कहा, +पीछे जाकर मैं सोच रहा था कि ये भयानक विकेट है - मुझे बस इस पर बने रहने का एक रास्ता खोजने की जरूरत है। मुझे लगता है कि अब ग्रुप बड़ा है, यदि यही स्थिति है, तो आपको सकारात्मक रहना होगा; गेंदबाज पर वापस दबाव डालना होगा और उन्हें दबाव में लाना होगा।

उन्होंने आगे बताया, +पहले, आउट होने का डर अधिक था और इसने हमें अपने शेल्स में डाल दिया था। जबकि अब यह चिंता की बात नहीं है कि आप आउट हो रहे हैं और स्वीकार कर रहे हैं कि आप शायद उस तरह की सतहों पर हैं, लेकिन आप वास्तव में कैसे आगे बढ़ सकते हैं और समय-समय पर हावी भी हो सकते हैं?+ ओली पोप ने इंग्लैंड के लिए पोस्टर ब्वॉय का काम किया। उन्होंने दूसरी पारी में 196 रन बनाकर भारत के लिए मुश्किलें पैदा की और भारत मैच हार गया।

उन्हें इस दौरे के लिए उन पिचों पर खेलने के उद्देश्य से चुना गया था जो बेदाग कीपिंग की मांग करती हैं। निजी कारणों से हैरी ब्रूक के स्वदेश लौटने से अंतिम एकादश में वापसी का रास्ता थोड़ा आसान हो गया, बेयरस्टो को पूरी तरह से नंबर 5 पर बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। फोक्स को पहले टेस्ट में रन बनाने में कठिनाई हुई, लेकिन टॉम हार्टली की गेंद पर आर अश्विन और मोहम्मद सिराज की स्टंपिंग उनके लिए वरदान साबित हुई। पहले मैच में कुछ गलतियां उन्होंने बतौर विकेटकीपर कीं, लेकिन जल्द ही उनको सही भी किया। उन्होंने कहा, +आप खेल में हैं, इसलिए एक कीपर के रूप में यह अच्छा है।

IND vs ENG: सरफराज खान को हरभजन सिंह की वॉर्निंग- जब विराट कोहली लौटेंगे तो...

नई दिल्ली. टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरे टेस्ट मैच से पहले सरफराज खान को वॉर्निंग दी है। हरभजन सिंह चाहते हैं कि अगर सरफराज को खेलने का मौका मिले, तो वह इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाएं। लगातार तीन रणजी ट्रॉफी सीजन में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज को आखिरकार भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में जगह मिली है। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए, जिसके बाद सरफराज, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया। इसके अलावा विराट कोहली भी पहले

दो टेस्ट मैचों के लिए इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। हरभजन सिंह ने कहा कि विराट की गैरमौजूदगी मे अगर सरफराज मौके को बेकार करते हैं, तो ऐसे में शायद ही उन्हें दूसरा मौका मिल पाए। हरभजन सिंह ने कहा, सरफराज खान को इस मौके का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना ही होगा क्योंकि जब विराट कोहली लौटेंगे, तो किसी को तो टीम से बाहर जाना होगा, तो उसके पास मौके को बेकार जाने देने का भी मौका नहीं है। उसने बहुत मेहनत की है और डोमेस्टिक क्रिकेट में काफी रन बनाए हैं।% दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय स्क्वॉड में दो अनकैप्ड बैटर हैं, एक रजत पटिदार और दूसरे सरफराज खान।

भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में 28 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद में खेले गए टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भारतीय टीम 202 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। जडेजा और राहुल के चोटिल होने से वैसे ही टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गई है, ऐसे में विशाखापट्टनम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम थोड़ा प्रेशर में भी होगी। अब देखना होगा कि क्या सरफराज खान को प्लेइंग इलेवन में

बेन स्टोक्स ने टेस्ट सीरीज के दौरान किया एमएस धोनी का जिक्र, बोले- वह जो भी करते हैं...

नई दिल्ली. इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने एमएस धोनी और आईपीएल 2023 को लेकर भारत के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के पहले मैच से पहले बात की। स्टोक्स से पूछा गया कि क्या एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के बीच आईपीएल में जो अंडरस्टैंडिंग है, क्या ऐसी ही समझ उनके और ब्रैंडन मैकुलम के बीच भी है? इस जवाब उन्होंने बेबाकी से दिया और बताया कि उनको आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बनकर अच्छा लगा।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू में जियोसिनेमा पर बेन स्टोक्स ने बताया, आप कहते हैं कि हम ट्रॉफी जीत गए, इस तरह मुझे टीएफसी अवॉर्ड मिला, थैंक्स फॉर कमिंग अवॉर्ड। जाहिर है, चोट और इस तरह की चीजों के कारण यह वैसा नहीं हुआ जैसा मैं चाहता था, लेकिन सिर्फ चेन्नई जैसी अविश्वसनीय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर भी अच्छा लगा। मैंने पहले भी फ्लेमिंग और एमएस के साथ काम किया है, जब मैं पुणे में खेल रहा था।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग (सीएसके के हेड कोच) कैसे एक-दूसरे के पूरक थे, यह देखने वाली बात थी। उन्हें अपने निर्णयों पर भरोसा है, एक कोच के रूप में और एक कप्तान के रूप में। एमएस में खेल से बाहर होने की भावना होती है, जबकि कभी-कभी जब आप किनारे पर बैठे होते हैं,

विराट कोहली कप्तान होते तो टीम इंडिया पहला टेस्ट नहीं हारती, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज का दावा

नई दिल्ली. इंग्लैंड की टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने माना है कि अगर हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में विराट कोहली भारतीय टीम के कप्तान होते तो मेजबान टीम को हार नहीं मिलती। वॉन ने रोहित शर्मा की कप्तानी को स्विच ऑफ करार दिया। उन्होंने इससे पहले भी रोहित शर्मा की कप्तानी को औसत दर्जे का बताया था। अब इंग्लैंड के इस दिग्गज ने कहा है कि उन्होंने विराट कोहली की कप्तानी को टेस्ट क्रिकेट में मिस किया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले को लेकर बात करते हुए माइकल वॉन ने क्लब प्रैरी फायर पर कहा कि अगर विराट कोहली भारतीय टीम के कप्तान होते तो हैदराबाद में खेले गए टेस्ट मैच का नतीजा अलग हो सकता था। वॉन से पूछा गया था कि क्या मेजबानों ने विराट कोहली और मोहम्मद शमी को मिस किया? इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ने इनमें से कोई भी विकल्प नहीं चुना और इसके बजाय अलग राय दी।

उन्होंने माना कि अगर कोहली कप्तान होते तो भारत पहला टेस्ट नहीं हारता। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की महानता को स्वीकार करते हुए वॉन को लगा कि उन्होंने बस स्विच ऑफ कर दिया। वॉन ने कहा, +उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की कप्तानी को बहुत मिस किया। उस हफ्ते विराट की कप्तानी में भारत मैच नहीं हारता। रोहित एक दिग्गज और महान खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे लगा कि वह पूरी तरह से स्विच ऑफ हो गए हैं। इससे पहले टेलीग्राफ को लिखे अपने कॉलम में माइकल वॉन ने कहा था, +मुझे लगा कि रोहित शर्मा की कप्तानी बहुत ही ज्यादा औसत दर्जे की थी।

मुझे लगा कि वह इतना प्रतिक्रियाशीलन नहीं था, मुझे नहीं लगता कि उसने अपने क्षेत्र में बदलाव किया या अपनी गेंदबाजी में बदलाव के साथ सक्रिय था।

उनके पास ओली पोप के स्वीप या रिवर्स स्वीप का कोई जवाब नहीं था। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में 2 फरवरी से दूसरा टेस्ट खेलना है।

केशव महाराज ने की भविष्यवाणी, बताया किन दो टीमों के बीच हो सकता है T20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल

साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर केशव महाराज ने एक बड़ी भविष्यवाणी करते हुए उन दो टीमों का नाम बताया है, जिनके बीच जून में आईसीसी T20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेला जा सकता है।

नई दिल्ली. साउथ अफ्रीका के दिग्गज लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महाराज ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल को लेकर भविष्यवाणी की है। केशव महाराज ने उन दो टीमों का नाम बताया है, जिनके बीच टी20 विश्व कप का फाइनल हो सकता है। टी20 विश्व कप आईपीएल 2024 के ठीक बाद जून के महीने में यूएसए और वेस्टइंडीज में आयोजित होगा। इस बार टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनको चार ग्रुप में बांटा गया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) और वेस्टइंडीज की सह-मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 29 दिनों का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसमें युगांडा सहित 20 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट के 55 मैच वेस्टइंडीज और यूएसए के 9 मैदानों पर खेले जाएंगे। इनमें से 6 मैदान वेस्टइंडीज के हैं, जबकि 3 मैदान यूएसए के हैं। वेस्टइंडीज सुपर 8 के मैचों के साथ-साथ नॉकआउट मैचों की मेजबानी भी करेगा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत 1 जून से डलास के ग्रैंड प्रैरी स्टेडियम में होगी। पहला मैच मेजबान यूएसए और कनाडा के बीच आयोजित होगा। इसी मेगा इवेंट को लेकर केशव महाराज ने स्पोर्ट्स तक पर बताया कि उनकी इच्छा है कि इस बार के टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका का सामना भारत से हो। भारत और साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड कप 2023 में दमदार खेल दिखाया था। भारत अंकतालिका में पहले और साउथ अफ्रीका दूसरे नंबर पर था।

केशव महाराज ने कहा, हम हमेशा विश्व कप जीतने की कोशिश करने का निर्देश लेकर वहां जाते हैं। उम्मीद है, हम इसे सुधार सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत फाइनल होना आश्चर्यजनक होगा। राउंड रॉबिन (2023 वनडे विश्व कप) के बाद, मैंने भारत में स्थानीय लोगों को यह कहते हुए सुना कि वे दक्षिण अफ्रीका-भारत फाइनल चाहते हैं। केशव महाराज एसए20 में डरबन सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और उन्होंने टीम को क्वॉलिफायर 1 में पहुंचा दिया है।

3 साल में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा को 11 बार लगी है चोट, जानें कब-कब इंजरी से गुजरे ये खिलाड़ी

नई दिल्ली. भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और बल्लेबाज केएल राहुल को एक बार फिर से नेशनल क्रिकेट एकेडमी यानी एनसीए का रुख करना पड़ा है। 35 वर्षीय जडेजा और 31 वर्षीय केएल के लिए एनसीए जाना नई बात नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले से बाहर होने के बाद इन खिलाड़ियों को चोट से संबंधित समस्याओं के चलते बेंगलुरु स्थित एनसीए जाना पड़ा है। इन दिग्गज खिलाड़ियों ने पिछले 3 साल में 11 बार चोट का सामना किया है। इससे लगता है कि पिछले 36 महीनों में इनका शरीर किसी कांच की तरह रहा है, जो अक्सर टूटता-फूटता रहता है।

वर्तमान में रविंद्र जडेजा और केएल राहुल वास्तव में जितने मैच खेल नहीं रहे, उससे ज्यादा मैच मिस कर रहे हैं और इससे भारतीय टीम को ही नुकसान झेलना पड़ रहा है। उनकी मौजूदा चोटों ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में टीम संयोजन की बैंड बजा दी है। पिछले तीन वर्षों में रविंद्र जडेजा पांच बार इंजर्ड हो चुके हैं, जबकि केएल राहुल 6 बार चोटिल हुए हैं। सवाल ये भी है कि ये खिलाड़ी इतने ज्यादा चोटिल क्यों हो रहे हैं? क्या उम्र बढ़ती जा रही है? क्या ज्यादा खेलना एक वजह है? इसका जवाब है- शायद हां, लेकिन इस बात से भी किनारा नहीं किया जा सकता है कि इनका शरीर कमजोर हो रहा है।

रविंद्र जडेजा की बात करें तो उन्होंने जनवरी से मार्च 2021 में क्रिकेट नहीं खेली। वे थंब इंजरी के कारण टीम से बाहर थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनका अंगूठा डिस्लोकेट हुआ था। उसी साल की आखिर में नवंबर में वे फोरआर्म इंजरी का शिकार हुए और फरवरी 2022 तक टीम से बाहर रहे। जडेजा को तीसरी चोट रिब इंजरी के तौर पर लगी और वे मई-जून 2022 में क्रिकेट नहीं खेल पाए। आईपीएल 2022 के कई मैच उन्होंने मिस किए। दो महीने बाद उनको घुटने की चोट का सामना करना पड़ा और वे अगस्त 2022 से फरवरी 2023 तक क्रिकेट से दूर रहे। 5वीं चोट अब जनवरी 2024 में हैमस्ट्रिंग के तौर पर लगी। वे दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं और अगर चोट गहरी होती है तो कुछ और भी मैच मिस कर सकते हैं। वहीं, अगर बात केएल राहुल की चोटों की करें तो जनवरी 2021 में उनको रिस्ट स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था और वे सिडनी में तीसरा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। वे पहले दो मैचों का भी हिस्सा नहीं थे और उनको एनसीए लौटना पड़ा था। उसी साल मई में एपेंडिक्स का शिकार केएल राहुल थे और इसके लिए उनको सर्जरी के दौर से गुजरना पड़ा था। आईपीएल 2021 में उन्होंने कई मैच मिस किए थे। नवंबर 2021 में उनको थाई स्ट्रेन हुआ और होम टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ वे नहीं खेले। चौथी चोट उनको जून 2022 में लगी, जो स्पोर्ट्स हर्निया के रूप में थी। ग्रोइन इंजरी के कारण उनको कई मैच मिस करने पड़े। मई 2023 में आईपीएल के दौरान उनको थाई इंजरी हुई और वे आईपीएल के साथ-साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी नहीं खेले थे और कई सीरीज मिस की थीं। अब जनवरी 2024 में उनको क्वाडरसिप्स इंजरी के सामना करना पड़ा। वे अब वाइजैग टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

धूमधाम से मनाया आदर्श रसोई के उपप्रधान राजेश छाबड़ा का जन्मदिन

राकेश भारद्वाज चौक पर छाबड़ा परिवार ने रिबन काटकर किया आदर्श रसोई का विधिवत शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सबसे व्यस्ततम चौक यानी "राकेश भारद्वाज चौक" पर आदर्श रसोई के कार्यक्रम में उप प्रधान राजेश छाबड़ा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

विधिवत रूप से छाबड़ा परिवार ने रिबन काटकर की आदर्श रसोई की शुरुआत

आदर्श रसोई के उपप्रधान राजेश छाबड़ा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरा छाबड़ा परिवार भी मौजूद रहा। छाबड़ा परिवार ने रिबन काटकर आदर्श रसोई की विधिवत शुरूआत की। श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके पर आदर्श रसोई के पदाधिकारियों ने छाबड़ा परिवार का भव्य स्वागत किया।

बेहतरीन कार्य कर रही है आदर्श रसोईः राजेश छाबड़ा

इस अवसर पर राजेश छाबड़ा ने कहा कि आदर्श रसोई निःस्वार्थ रूप से पिछले दो वर्षों से लोगों को नाममात्र के शुल्क में थाली परोस रही है। मुझे खुशी है कि मैं भी पुण्य के कार्य में एक सहभागी बना हूं।

यह हम सबके लिए हर्ष की बात है कि आदर्श रसोई के सभी साथियों ने आदर्श रसोई को आगे बढ़ाने के लिए दिन रात मेहनत की है। आदर्श रसोई की सबसे अनूठी बात यह है कि यह समाजसेवा के साथ-साथ अपने पारंपरिक त्यौहारों, विशेष दिनों को भी बहुत ही उत्साहपूर्वक रूप से मनाती है, जोकि काबिलेतारीफ है।

पहले की सरकारों में किसान करते थे आत्महत्याः सीएम योगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारों में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता था। संसद के हर सत्र में किसानों की आत्महत्या का मुद्दा उठता था। 2014 में देश की बागडोर संभालते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र ने 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा। इसके लिए उन्होंने सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा, कृषि सिंचाई, किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाएं शुरू कीं और किसानों को वैज्ञानिक शोध एवं इनोवेशन से जोड़ा। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2018 से अन्नदाता किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना दाम मिलना प्रारंभ हुआ। सीएम योगी ने बुधवार को पिकनिक स्पॉट रोड स्थित केन्द्रीय औषधि एवं सगन्ध पौधा संस्थान द्वारा आयोजित "किसान मेला" का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों का किसान प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप परंपरागत खेती के अलावा कृषि विविधिकरण भी अपना रहा है। इससे उनकी आय दोगुनी हुई है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों को औषधीय खेती और बागवानी से भी जोड़ा है। उनके हर्बल प्रोडक्ट्स को प्रमोट कर रही है। इससे उत्तर प्रदेश का किसान अपने उत्पाद का कई गुना दाम प्राप्त कर रहा है। यह अन्नदाता किसानों के जीवन में परिवर्तन का एक बड़ा माध्यम बना है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि अत्यंत उर्वरक है। साथ ही यहां प्रचुर मात्रा में जल की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि देश की 16 फीसदी आबादी उत्तर प्रदेश में रहती है। 11 फीसदी कृषि योग्य भूमि होने के बावजूद 22 फीसदी से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश करता है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारे 89 कृषि विज्ञान केंद्र हैं। चार राज्य कृषि विश्वविद्यालय हैं और पांचवां स्थापित होने जा रहा है। कृषि, बागवानी और आयुष से जुड़े ऐसे तमाम संस्थान प्रदेश में मौजूद हैं।

संसद का बजट सत्र के दौरान संसद परिसर में सोनिया गांधी।

डकैती मामले में आजम खान समेत सात आरोपित बरी

टीम एक्शन इंडिया/रामपुर
उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने डूंगरपुर बस्ती में मारपीट, डकैती और आपराधिक षड्यंत्र रचने के मामले में सपा नेता आजम खान समेत सात लोगों को बुधवार को बरी कर दिया। इस मामले में कोर्ट ने जिन लोगों को बरी किया है उनमें आजम खान, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर खान, ठेकेदार बरकत अली, रिटायर्ड सीओ आले हसन, फिरोज खां, रानू खां और ओमेंद्र चौहान शामिल हैं। इससे पहले इन सभी आरोपितों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया। अधिवक्ता नासिर सुलतान ने बताया कि आजम खान के खिलाफ 12 लोगों ने मुकदमे दर्ज कराये थे। इनमें से रूबी नाम की वादी महिला के मामले में सभी को बरी किया गया है। जिले के गंज थाना क्षेत्र के डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के 12 मुकदमे वर्ष 2019 में दर्ज हुए थे।

राहत

8 12 लोगों ने मुकदमे दर्ज कराये थे। इनमें से रूबी नाम की वादी महिला के मामले में सभी को बरी किया गया है।